आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 59 | उज्जैन, रविवार 19 जनवरी 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को करेंगे फिट इण्डिया क्लब का लोकार्पण

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 19 जनवरी को दोपहर 3 बजे गौतम नगर भोपाल में फिट इण्डिया क्लब प्रथम चरण का लोकार्पण करेंगे। कार्यक्रम में केन्द्रीय खेल मंत्री श्री मनसुख मंडाविया भी शामिल होंगे। इस अवसर पर 6 विभागीय खेल अधोसंरचनाओं का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन भी किया जायेगा। फिट इण्डिया क्लब में व्यायाम, फिटनेस, खेल गतिविधियाँ एवं स्वास्थ्य सहित पोषण आहार संबंधी कार्यक्रम होंगे। क्लब में वॉकिंग ट्रेक, योग एवं मेडिटेशन केन्द्र के साथ ओपन जिम, पारम्परिक खेल जोन, लायब्रेरी एवं किड्स जोन का प्रावधान भी किया

जा रहा है। साथ ही महिला फिटनेस सेंटर, मल्टीपर्पस इण्डोर हॉल एवं स्वीमिंग पूल का भूमि-पूजन भी किया जायेगा। फिट इण्डिया क्लब पूरे प्रदेश के लिये एक मॉडल होगा।

लोकार्पण एवं भूमि-पूजन के आयोजन में प्रदेश के नागौद-सतना, बुधनी-सीहोर, हरदा, टिमरनी-हरदा और नारायणगढ़-मंदसौर में इण्डोर हॉल एवं जोबट-अलीराजपुर में आउटडोर खेल परिसर का लोकार्पण एवं शिवपुरी में हॉस्टल भवन का भूमि-पूजन और खेलो-बढ़ो अभियान का शुभारंभ भी किया जायेगा। खेलो-बढ़ों अभियान विद्यार्थियों और आम नागरिकों को खेलों से जोड़ने और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाने के लिये एक नवाचार के रूप में शुरू किया जायेगा।

फिट इंडिया, रन विथ ऑर्मी में दौड़ेंगे भोपाल के युवा

फिट इंडिया, रन विद इंडियन ऑर्मी के आदर्श वाक्य के साथ भोपाल के युवा मैराथन में दौड़ेंगे। यह आयोजन भारतीय सेना दिवस के उपलक्ष्य में भारतीय सेना के सुदर्शन चक्र कोर द्वारा आयोजित किया जा रहा है। ऑर्मी मैराथन का उद्देश्य सेना और आमजन के बीच जुड़ाव को बढ़ावा देना और इसे भोपाल में वार्षिक खेल आयोजन के रूप में स्थापित करना है।

मैराथन में तीन श्रेणियाँ रखी गई हैं, जिसमें 21 किलोमीटर (हॉफ मैराथन), 10 किलोमीटर, और 5 किलोमीटर की दौड़ शामिल है। यह मैराथन भोपाल के द्रौणांचल से शुरू होकर वीआईपी रोड होते हुए द्रौणांचल पर ही समाप्त होगी। इस आयोजन में लगभग 12 हज़ार प्रतिभागी शामिल होंगे।

बाइक से उतरे और सुरक्षाकर्मियों को मारी गोली, ATM में भरने के लिए लाए गए 93 लाख रुपये लूटे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक बीदर जिले में मोटरसाइकिल सवार हथियारबंद लुटेरों ने सुरक्षाकर्मी की गोली मारकर हत्या कर दी और उसके साथी को घायल कर 93 लाख रुपये लूट लिए। यह नकदी भारतीय स्टेट बैंक के एटीएम में भरनी थी। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मतृक की पहचान सुरक्षाकर्मी गिरी वेंकटेश के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार वेंकटेश व उनका साथी दोपहर 11.30 बजे व्यस्त शिवाजी चौक पर स्थित एटीएम में नकदी भरने के लिए पहुंचे थे। गोली लगने से घायल दूसरे सुरक्षाकर्मी शिवा काशीनाथ ने भी दम तोड़ दिया। सूत्रों ने बताया कि लुटेरों ने अपराध को अंजाम देने के लिए 8 राउंड गोलीबारी की। घटना के तुरंत बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने आसपास की सभी सड़कों पर अवरोधक लगा जांच शुरू की। पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने के लिए टीम गठित की है। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने बताया कि 16 जनवरी की इस घटना में शामिल 2 लुटेरों की पहचान कर ली गई है। उन्होंने यह भी कहा कि लुटेरों को गिरफ्त में लेने के प्रयास जारी हैं। पुलिस की टीम मध्य प्रदेश के इंदौर और अन्य संभावित स्थानों पर गई है जहां लुटेरे हो सकते हैं। परमेश्वर ने कहा, 'दोनों की पहचान कर ली गयी है।

ऐसा कैंसर जो खुद को नुकसान पहुंचा रहा; तल्ख तेवर में जयशंकर, आतंकवाद को लेकर पाक पर खूब बरसे

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई में आयोजित 19वें नानी ए. पी. पालखीवाला स्मृति व्याख्यान के दौरान विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने पाकिस्तान पर तीखा प्रहार किया है। जयशंकर कहा है कि पाकिस्तान एक ऐसा कैंसर है जो खुद अपने समाज को नुकसान पहुंचा रहा है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि पाकिस्तान की सीमा-पार आतंकवाद को बढ़ावा देने वाली नीतियां अब उसके अपने राजनीतिक तंत्र को भी प्रभावित कर रही हैं।

एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, जयशंकर ने कहा, पाकिस्तान हमारे पड़ोस में एक अपवाद है। उसकी आतंकवाद को समर्थन देने वाली नीतियां अब उसके खुद के लिए घातक बन चुकी हैं। पूरे उपमहाद्वीप की साझा रुचि है कि पाकिस्तान अपनी इस सोच से तौबा करे।

विदेश मंत्री ने भारत की कूटनीति और तकनीकी प्रगति पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, भारत भले ही पश्चिम का हिस्सा न हो, लेकिन उसके रणनीतिक हित यह सुनिश्चित करते हैं कि वह पश्चिम के खिलाफ भी नहीं है। जयशंकर ने उभरती हुई और महत्वपूर्ण तकनीकों में भारत के पीछे न रहने की आवश्यकता पर बल दिया।

31 से बैठेगी संसद, एक को पेश होगा आम बजट; पहले दिन राष्ट्रपति मुर्मु का होगा अभिभाषण

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद का बजट सत्र 31 जनवरी से शुरू होगा। पहले दिन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का अभिभाषण होगा और एक फरवरी को बजट पेश किया जाएगा। बजट सत्र का पहला चरण 31 जनवरी से 13 फरवरी तक और दूसरा चरण 10 मार्च से 4 अप्रैल तक चलेगा। इस दौरान निर्मला सीतारमण बतौर वित्त मंत्री लगातार अपना आठवां बजट पेश करेंगी।

आर्थिक सर्वेक्षण पेश किया जाएगा- संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने एक्स पर एक पोस्ट में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ने भारत सरकार की सिफारिश पर संसद के दोनों सदनों को बजट सत्र 2025 के लिए 31 जनवरी से 4 अप्रैल तक बुलाने की मंजूरी दी है। इस दौरान संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक के बाद आर्थिक सर्वेक्षण पेश किया जाएगा।

सत्र के दौरान दिल्ली चुनाव के दिन संसद में कार्यवाही नहीं की जाएगी। वहीं तीन फरवरी के बाद से राष्ट्रपति अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव को लेकर चर्चा शुरू की जाएगी। बजट सत्र में कुल 27 बैठकें प्रस्तावित हैं। रिजिजू ने कहा कि दोनों सदन 13 फरवरी को अवकाश के लिए स्थगित हो सकते हैं और विभिन्न मंत्रालयों व विभागों की अनुदान मांगों पर चर्चा के लिए 10 मार्च को फिर से शुरु होगा। सत्र के पहले चरण में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर दोनों सदनों में बहस होती है और संसद के दोनों सदनों में प्रधानमंत्री के जवाब के साथ यह संपन्न होता है।

स्पैडएक्स डॉकिंग ऐतिहासिक सफलता, इसरो के नए चीफ ने दी बधाई; भविष्य पर क्या बोले

नई दिल्ली (एजेंसी)। इसरो ने पिछले 15 दिन में दो स्पेडएक्स उपग्रहों, एसडीएक्स-01 और एसडीएक्स-02 को सफलतापूर्वक डॉक किया है। यह अपने आप में ऐतिहासिक है। यह बात कही है इसरो के नए प्रमुख वी नारायणन ने। वी नारायणन ने सफलता के बाद अपनी टीम को संबोधित करते हुए हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण, आपमें से प्रत्येक को मेरी हार्दिक बधाई। इसरो वैज्ञानिक हमारे देश का गौरव हैं। आज, हमने एक उल्लेखनीय मील का पत्थर स्थापित किया। मिशन ने उपग्रह को केवल 30 मिनट और 13 सेकंड के भीतर 28,400 किमी/ घंटा के वेग के साथ आवश्यक कक्षा में सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया। यह वास्तव में उत्कृष्ट समर्पण और उत्कृष्टता की मिसाल है।

नारायणन ने इस उपलब्धि के व्यापक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज न केवल हमारे लिए बल्कि पूरे देश के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। इस सफलता ने हमें चंद्रयान-4 और अन्य चंद्र अन्वेषणों सहित हमारे भविष्य के मिशनों के लिए एक मजबूत नींव प्रदान की है। आइए हम बड़े सपने देखें और अंतरिक्ष में डॉकिंग जैसी सफलताओं को प्राप्त करने के लिए मिलकर काम करें। हमने मिलकर इस सपने को साकार किया है। एक बार फिर बधाई। हालांकि भारत की प्रमुख अंतरिक्ष एजेंसी ने 16 जनवरी को स्पैडेक्स मिशन पूरा कर लिया था।

मरीज के लिए दिल लेकर दौड़ी हैदराबाद मेट्रो, 13 मिनट में तय की 13 किमी की दूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। हैदराबाद मेट्रो रेल ने बीते दिन दिल जीतने का काम किया है। हर कोई उसकी वाहवाही कर रहा है। इस वाहवाही के पीछे का कारण ये है कि एक हार्ट पेशेंट की जान बचाने के लिए मेट्रो ने ग्रीन कॉरिडोर बनाकर 13 स्टेशनों पर 13 मिनट में 13 किलोमीटर की दूरी तय की।

दरअसल, मेट्रो ने डोनर हार्ट को तेजी से और बिना किसी परेशानी के पहुंचाने के लिए ऐसा किया। 17 जनवरी की रात 9 बजकर 30 मिनट पर बनाए गए इस कॉरिडोर की मदद से एलबी नगर के कामिनेनी अस्पताल से ग्लेनीगल्स ग्लोबल अस्पताल लकड़ी का पुल तक डोनर हार्ट को पहुंचाया गया।

प्रधानमंत्री मोदी ने बांटे स्वामित्व कार्ड; क्या है ये योजना जिससे 65 लाख लोगों को हुआ फायदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संपत्ति मालिकों को 65 लाख संपत्ति कार्ड बांटे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम ने कहा कि आज का दिन देश के गांवों के लिए और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए बहुत ऐतिहासिक दिन है, क्योंकि 10 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों के 230 से अधिक जिलों के 50 हजार से अधिक गांवों में संपत्ति मालिकों को स्वामित्व योजना के तहत 65 लाख से अधिक संपत्ति कार्ड वितरित किए।

क्या है स्वामित्व योजना- स्वामित्व योजना की शुरुआत नवीनतम ड्रोन तकनीक के माध्यम से सर्वेक्षण के लिए की गई। इसके लिए गांवों में बसे हुए क्षेत्रों में घरों के मालिक परिवारों को अधिकारों का रिकॉर्ड प्रदान करके ग्रामीण भारत की आर्थिक प्रगति को बढ़ाने के उद्देश्य से कार्य किया गया।

स्वामित्व (गांवों का सर्वेक्षण और ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर तकनीक के साथ मानचित्रण) पहल ग्रामीण भारत को बदलने में महत्वपूर्ण प्रगति कर रही है।

इस पहल के तहत, सरकार सटीक संपत्ति स्वामित्व डेटा प्रदान कर रही है, जिसमें स्पष्ट स्वामित्व रिकॉर्ड लोगों को मिलता है, जिससे भूमि विवाद कम हो गए हैं। योजना से क्या हुआ लाभ?

इस योजना ने भारत के ग्रामीण सशक्तिकरण और शासन यात्रा में एक मील का पत्थर साबित किया है।

यह योजना संपत्तियों के मुद्रीकरण को सुगम बनाने में भी मदद करती है।

इस कार्ड के माध्यम से गांव के लोग बैंक ऋण पा सकते हैं।

योजना से संपत्ति से संबंधित विवाद कम हुए हैं।

स्वामित्व योजना ग्रामीण क्षेत्रों में संपत्तियों और संपत्ति कर के बेहतर मूल्यांकन की सुविधा प्रदान करती है।

अब तक 2 करोड़ 25 लाख संपत्ति कार्ड तैयार - बता दें कि 3 लाख 17 हजार से अधिक गांवों में ड्रोन सर्वेक्षण पूरा हो चुका है। ये आंकड़ा लक्षित गांवों के 92 फीसद को कवर करता है। अब तक 1 लाख 53 हजार से अधिक गांवों के लिए लगभग 2 करोड़ 25 लाख संपत्ति कार्ड तैयार किए जा चुके हैं। यह योजना पुडुचेरी, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, त्रिपुरा, गोवा, उत्तराखंड और हरियाणा में पूरी तरह से लागू हो चुकी है। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ राज्यों और कई केंद्र शासित प्रदेशों में भी ड्रोन सर्वेक्षण पूरे हो चुके हैं।

दुनिया के सबसे हाईटेक विमान से उड़ान भरते हैं अमेरिकी राष्ट्रपति, कहा जाता है फ्लाइंग व्हाइट हाउस

नई दिल्ली (एजेंसी)। 20 जनवरी को डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति पद की शपथ लेंगे। वे अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति बनेंगे। ये कार्यक्रम साल 2025 के शुरुआत का सबसे बड़ा आयोजन होने जा रहा है। इस विशेष कार्यक्रम पर दुनिया की नजर है। अमेरिका के राष्ट्रपति बनने के बाद डोनाल्ड ट्रंप विशेष विमान से यात्राएं करेंगे।

अमेरिकी राष्ट्रपति के लिए एयरफोर्स वन का उपयोग किया जाता है। इस हवाई जहाज को दुनिया का सबसे सुरक्षित जहाज भी माना जाता रहा है। इस विमान में कई खूबियां मौजूद हैं, जो इसको बेहद खास बनाती हैं। दूसरे देशों के दौरे के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति इस विमान का प्रयोग करते हैं। इस हवाई जहाज को फ्लाइंग कैसल और फ्लाइंग व्हाइट हाउस के नाम से भी जाना जाता है।

जानिए क्यों खास है ये विमान?

अमेरिकी राष्ट्रपति की यात्रा के लिए उपयोग किया जाने वाला विमान एयर फोर्स वन सबसे खास और सबसे अलग माना जाता रहा है। इस विमान के अंदर कई प्रकार की विशेष सुविधाएं मौजूद हैं। विमान के भीतर ही एक कॉन्फ्रेंस रूम, बेडरूम और कई ऑफिस मौजूद हैं। विमान के अंदर रसोई घर भी है, जिसका प्रयोग अमेरिकी राष्ट्रपति और विमान में सवार अन्य अधिकारियों के लिए खाना बनाने के लिए उपयोग किया जाता है।सुरक्षा के लिहाज से भी ये विमान खास है। विमान अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सूट से लैस है, जिससे खतरे के बारे में पता लगाया जा सकता है। इसके अलावा एयर फोर्स वन दुनिया के किसी भी कोने से संवाद करने में सक्षम है। विमान के अंदर सैटेलाइट फोन, फैक्स मशीन जैसी कई आधुनिक सुविधाओं मौदूद हैं। एयरफोर्स वन का इतिहास इतिहास द्वितीय विश्व युद्ध के समय से शुरू हुआ था। उसी समय से एयरफोर्स वन ने अमेरिका के कई राष्ट्रपतियों को सेवाएं दी हैं।

एयर फोर्स वन के बारे में जानकारियां

अमेरिका में राष्ट्रपति को यदि कहीं की भी यात्रा करनी है तो वह एयरफोर्स वन विमान का प्रयोग करते हैं। ये विमान किसी भी परिस्थिति में यात्रा के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। एयर फ़ोर्स वन का उपयोग राष्ट्रपति को ले जाने वाले किसी भी वायु सेना के विमान को नामित करने के लिए किया जाता है।

वर्तमान में अमेरिकी राष्ट्रपति बोइंग 747-200B क्रम के विमानों का प्रयोग करते हैं। इस विमान को टेल कोड 28000 और 29000 के नाम से जाना जाता है। इस खास विमान के लिए वायुसेना का पदनाम VC-25A है।

एयरफोर्स वन राष्ट्रपति पद के सबसे पहचानने योग्य प्रतीकों में से एक है। इस विमान ने अमेरिकी संस्कृति में नहीं बल्कि दुनिया भर में अनगिनत संदर्भों को जन्म दिया है। एयरफोर्स वन अमेरिकी ध्वज और संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति की मुहर के साथ उड़ान भरता है।

ट्रंप-जेडी वैंस में बातचीत की चीन करा रहा था जासूसी! ड्रैगन के रैकेट का भंडाफोड़; बाइडन सरकार ने लिया बड़ा एक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। बाइडन सरकार ने देश में बड़े पैमाने पर चल रहे चीनी साइबर जासूसी रैकेट का भंडाफोड़ किया है। इस भंडाफोड़ में खुलासा हुआ है कि एक चीनी कंपनी और एक व्यक्ति इसमें शामिल थे, जो कथित तौर पर वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों को निशाना बनाकर हैकिंग को अंजाम दे रहे थे।

अब दोनों पर बैन लगा दिया गया है। ये प्रतिबंध ऐसे समय में लगाए गए हैं जब ट्रंप ने कहा कि शुक्रवार को उनकी चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ बहुत अच्छी फोन वार्ता हुई।

लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं बनाया जा रहा था निशाना- वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने सीएनएन को बताया कि हैकिंग के जरिए लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को निशाना बनाया जाना था। अमेरिकी नेटवर्क से संवेदनशील खुफिया जानकारी इकट्ठा करने की कोशिश की जा रही थी, जिसपर अमेरिकी सरकार ने एक्शन लिया।

चीनी कंपनी पर बैन, ट्रंप के फोन को कर रहे थे हैक- बाइडन सरकार ने इस मामले में एक चीनी टेक कंपनी पर प्रतिबंध लगाया है। ये कंपनी अमेरिकी दूरसंचार दिग्गजों की व्यापक रूप से हैकिंग में शामिल थी। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, हैकर्स ने नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और वरिष्ठ अधिकारियों की फोन पर बातचीत तक को निशाना बनाया था।

ट्रेजरी के हैक में शामिल व्यक्ति पर बैन- ट्रेजरी ने शंघाई के एक व्यक्ति पर भी बैन लगाया है, जो ट्रेजरी के हैक में कथित रूप से शामिल था, जिसका खुलासा पिछले महीने हुआ था। मामले से परिचित एक सूत्र ने सीएनएन को बताया कि हैकर्स ने खुफिया जानकारी जुटाने के प्रयास के तहत ट्रेजरी सचिव जेनेट येलेन और उनकी डिप्टी वैली एडेमो से जुड़ी जानकारी को निशाना बनाया था।

20-25 मिनट के अंतर से मौत से बच गई, बहन को मारने की भी थी साजिश; शेख हसीना का दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने सत्ता से बेदखली को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। हसीना ने दावा किया कि उन्हें और उनकी छोटी बहन शेख रेहाना को मारने की साजिश रची गई थी। बांग्लादेश अवामी लीग पार्टी के फेसबुक पेज पर शुक्रवार देर रात पोस्ट किए गए ऑडियो भाषण में उन्होंने ये बातें कहीं। उन्होंने कहा, %रेहाना और मैं बाल-बाल बच गए। केवल 20-25 मिनट के अंतर से हमारी जान बच पाई।% मालूम हो कि पिछले साल अगस्त में छात्रों के नेतृत्व में जोरदार आंदोलन हुआ था। हफ्तों तक चले विरोध प्रदर्शन और झड़पों के बाद बांग्लादेश की तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को अपदस्थ कर दिया गया। इस दौरान हुई हिंसा में 600 से अधिक लोग मारे गए थे।

76 वर्षीय शेख हसीना बांग्लादेश से भागकर भारत चली आई। नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में बांग्लादेश में अंतरिम सरकार का गठन हुआ। शेख हसीना ने बीते दिनों को याद करते हुए कहा कि उन्हें मारने की साजिशें कई बार रची गईं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि 21 अगस्त की हत्याओं से बचना या कोटलीपारा में बम से बच जाना और 5 अगस्त, 2024 को भी जीवित रहना।

अमेरिका में ओहियो के गवर्नर पद का चुनाव लड़ सकते विवेक रामास्वामी, ट्रंप ने सौंपी अहम जिम्मेदारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अमेरिकी उद्यमी से नेता बने विवेक रामास्वामी ओहियो के गवर्नर पद के लिए चुनाव लड़ने की योजना बना रहे हैं। 39 वर्षीय रामास्वामी निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी विश्वासपात्र हैं। ट्रंप ने टेस्ला के मालिक एलन मस्क के साथ मिलकर उन्हें शासन में सुधार का काम सौंपा है। सिनसिनाटी में भारतीय माता-पिता के घर जन्मे रामास्वामी हार्बर्ड और येल से स्नातक हैं। वह गवर्नर पद के लिए चुनाव लड़ने के फैसले की घोषणा जल्द कर सकते हैं।

नाम न छापने की शर्त पर मामले से परिचित एक शख्स ने द वाशिंगटन पोस्ट को बताया कि विवेक की मूल योजना डाज में उपलब्धियां हासिल करना और शीघ्र ही गवर्नर पद के लिए दौड़ की घोषणा करना है। निर्वाचित होने पर वह ओहियो के गवर्नर माइक डेवाइन का स्थान लेंगे, जो कार्यकाल सीमा से प्रतिबंधित हैं। ओहायो चुनाव नवंबर 2026 में निर्धारित है।

इजरायली हमले से जुड़ी जानकरी लीक कर रहा था CIA कर्मचारी, अब ठहराया गया दोषी

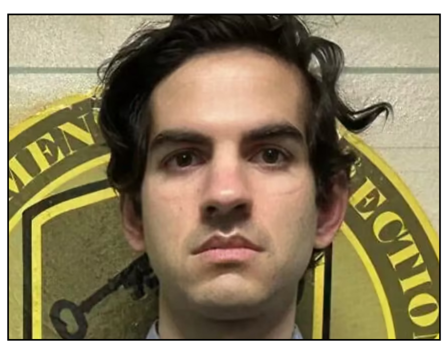

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में CIA कर्मचारी आसिफ विलियम रहमान ईरान पर इजरायली हमले से जुड़ी जानकारी लीक कर रहा था। इस मामले में कोर्ट ने उन्हें दोषी ठहरा दिया है। रक्षा जानकारी को जानबूझकर बनाए रखने और साझा करने के आरोपों में दोषी करार दिया।

रहमान ने 2024 में कई मौकों पर क्लासिफाइड कंटेंट को अवैध रूप से डाउनलोड, प्रिंट और बांटने की बात स्वीकार की है। बताया जा रहा है ये CIA कर्मचारी ईरान पर इजरायली हमले से जुड़ी जानकारी लीक कर रह था। उन्होंने अपने कंप्यूटर से पांच दस्तावेज निकाले जिन पर सीक्रेट और टॉप सीक्रेट का लेबल लगा हुआ था, फिर उसके बाद वह उसे घर ले गया।

दो अमेरिकी खुफिया दस्तावेज शामिल- अमेरिकी सैटेलाइट से प्राप्त खुफिया जानकारी में 15 और 16 अक्टूबर के दो अमेरिकी खुफिया दस्तावेज शामिल थे। ये दस्तावेज मूल रूप से फाइव आइज खुफिया-साझाकरण गठबंधन (ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूजीलैंड, यूनाइटेड किंगडम और अमेरिका) तक सीमित थे। हालांकि, ये दस्तावेज ईरान समर्थक टेलीग्राम चैनल मिडिल ईस्ट स्पेक्टेटर पर दिखाई दिए। फिर उन्होंने उन्हें पुन॰ प्रस्तुत किया और संशोधित किया और उन्हें उन लोगों के साथ साझा किया जो कानूनी रूप से उन्हें प्राप्त करने के हकदार नहीं थे।

पेश किए दस्तावेज- रहमान ने अपने इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस से अपनी एक्टिविटी हटा दी, रिकॉर्ड को वापस काम पर लाया और उन्हें टुकड़े-टुकड़े कर दिया।

ब्रिटेन के पीएम के लिए खतरा बने मस्क, आखिर कैसे स्टारमर की कुर्सी पर गहराया संकट

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप का खुले तौर पर समर्थन करने वाले टेस्ला के सीईओ एलन मस्क की नजर अब दूसरे देशों की राजनीति पर है। अब ब्रिटेन की राजनीति मस्क इफेक्ट देखने को मिल रहा है।

दरअसल, एलन मस्क 6 महीने पहले ही ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बने कीर स्टारमर पर जमकर हमले बोल रहे हैं, जिससे उनकी कुर्सी पर संकट गहराता दिख रहा है।

स्टारमर की घटी लोकप्रियता- मस्क के हमलों के चलते लेबर पार्टी की लोकप्रियता भी घटने लगी है। यूगो के एक सर्वे के अनुसार, पार्टी की लोकप्रियता पिछले 6 महीने के सबसे निचले स्तर 26 फीसद पर पहुंच गई है। इससे स्टारमर की सत्ता पर संकट के बादल छाए हैं।

राजनीतिक जानकारों के अनुसार स्टारमर की लोकप्रियता घटने के पीछे की सबसे बड़ी वजह ब्रिटेन की राजनीति में अमेरिकी कारोबारी एलन मस्क की एंट्री है।

स्टारमर की खिलाफत, दक्षिणपंथी नेता का समर्थन- मस्क ब्रिटेन में अवैध प्रवासियों की एंट्री, खासकर मुस्लिम प्रवासियों के मुद्दे पर स्टारमर को घेर रहे हैं। उन्होनें अवैध प्रवासियों व पाकिस्तानी ग्रूमिंग गैंग स्कैंडल मामले में स्टारमर को निशाने पर लिया है। मस्क स्टारमर का विरोध तो कर ही रहे हैं, वहीं नाइजल फराज की धुर दक्षिणपंथी पार्टी रिफॉर्म यूके का खुलकर समर्थन कर रहे हैं।

यही नहीं, मस्क फराज की पार्टी को फंड भी देने की बात कह रहे हैं।

भारत के इतिहास रचने से गदगद है चीन, दिल खोलकर कर रहा तारीफ

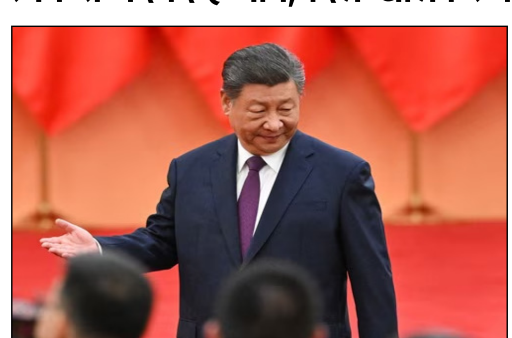

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने एक बार फिर अंतरिक्ष के क्षेत्र में अपनी श्रेष्ठता साबित करते हुए एक नया इतिहास रच दिया। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अपने स्पेस डॉकिंग एक्सपेरिमेंट मिशन के तहत दो उपग्रहों को सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में डॉक किया। इस ऐतिहासिक उपलब्धि ने भारत को अमेरिका, रूस और चीन के बाद चौथा ऐसा देश बना दिया है, जिसने यह कठिन तकनीकी उपलब्धि हासिल की है। चौंकाने वाली बात यह रही कि हमेशा पाकिस्तान का समर्थन करने वाला चीन भी इस उपलब्धि पर भारत की तारीफ करने से खुद को रोक नहीं पाया। भारत में चीनी राजनयिक यू जिंग ने सोशल मीडिया पर लिखा, भारत और इसरो को SpaDeX मिशन के तहत उपग्रहों के सफल डॉकिंग के लिए बधाई! यह पहली बार नहीं है जब चीन ने भारत की अंतरिक्ष सफलता को सराहा है। 2014 में जब भारत का मंगलयान (एमओएम) सफलतापूर्वक मंगल की कक्षा में पहुंचा था, तब भी चीन ने इसे मानवता के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताया था। हाल ही में 2023 में, भारत के चंद्रयान-3 मिशन की सफलता पर भी चीनी मीडिया ने भारत को बधाई दी थी और दोनों देशों के बीच अंतरिक्ष सहयोग की संभावनाओं पर जोर दिया था। गौरतलब है चीन ने अपने पहले मंगल मिशन 'तियानवेन-1' को 2020 में लॉन्च किया था, जो 2021 में मंगल की कक्षा में पहुंचा। इससे पहले 2011 में उसका यिंगहुओ-1 मिशन असफल रहा था। दूसरी ओर, भारत ने अपने पहले ही प्रयास में मंगल की कक्षा में प्रवेश करके एक नया कीर्तिमान स्थापित किया था।

कब पकड़ा जाएगा सैफ अली खान का हमलावर? रडार पर 50 लोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान पर हुए हमले के दो दिन बाद भी आरोपी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। सैफ पर 6 बार चाकू से वार करने वाले आरोपी के कई वीडियो सामने आ चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद उसका कोई पता नहीं लग सका है।

अब आरोपियों की तलाश के लिए मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने 40 टीमें बनाई हैं। पुलिस ने कहा कि 50 लोग रडार पर हैं।

सैफ पर चाकू से कई बार हुआ हमला- बता दें कि सैफ पर बुधवार की आधी रात बांद्रा स्थित उनके 12वीं मंजिल पर फ्लैट में घुसकर चोर ने चाकू से हमला किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सैफ को गर्दन, पीठ और हाथ पर गंभीर चोट आई है।

मेल नहीं खा रहा स्टाफ का बयान - मामले में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का भी बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि पुलिस को कई सुराग मिले हैं और जल्द ही अपराधी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। हमले के बाद सैफ को अस्पताल ले जाने वाले आटो ड्राइवर एवं लीलावती अस्पताल के डाक्टर के बयानों से अभिनेता के स्टाफ के बयान मेल नहीं खा रहे हैं। इससे हमले का रहस्य और गहराता दिख रहा है।

रात में बेवजह घूमने वाले भी रडार पर

इस बीच आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के लिए पुलिस ने रात में बेवजह घूमने वाले लोगों की जांच शुरू कर दी है। इसके साथ ही जिन लोगों के नाम पहले से पुलिस रिकॉर्ड में हैं, उन्हें भी पूछताछ के लिए थाने बुलाया जा रहा है।

करीना समेत कई लोगों के बयान दर्ज - पुलिस पूछताछ के दौरान सीसीटीवी फुटेज में कैद आरोपी की तस्वीर भी दिखा रही है। कल रात पुलिस 15 से अधिक लोगों को पूछताछ के लिए थाने लेकर आई थी। शुक्रवार को अभिनेत्री करीना कपूर खान ने अपने पति और अभिनेता सैफ अली खान पर गुरुवार सुबह बांद्रा स्थित उनके आवास पर हुए हमले के संबंध में बांद्रा पुलिस के समक्ष अपना बयान दर्ज कराया।

एम्स के बाहर नरक जैसी स्थिति का सामना कर रहे मरीज, मजाक बना रखा है- राहुल गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के बाहर मरीज और उनके परिजन नरक जैसी स्थिति का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस स्थिति के लिए केंद्र और दिल्ली सरकार दोनों जिम्मेदार हैं। राहुल ने पिछले दिनों एम्स के बाहर मौजूद कई मरीजों के परिजन से मुलाकात की थी और उनकी मुश्किलों के बारे जाना था। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने शनिवार को इसका वीडियो अपने सोशल मीडिया खाते से पोस्ट किया। उन्होंने एक्स पर यह वीडियो पोस्ट कर दावा किया कि एम्स के बाहर नरक जैसे हालात हैं।

राहुल गांधी ने सवाल किया कि बड़े-बड़े दावे करने वाली केंद्र और दिल्ली सरकार ने इस मानवीय संकट पर आंखें क्यों मूंद ली हैं? उन्होंने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, राष्ट्रीय स्वास्थ्यसेवा व्यवस्था पूरी तरह से तबाह हो चुकी है। एम्स दिल्ली में सस्ते और सटीक इलाज की उम्मीद में मरीज भारी कीमत चुका रहे हैं। कुछ दिनों पहले एम्स, दिल्ली के बाहर पहुंच कर मरीजों और सुविधाओं का हाल जानने पहुंचा। नजारा दिल दहला देने वाला था।

129 साल की उम्र, पिछले 100 साल से हर कुंभ में शामिल हो रहे स्वामी शिवानंद; युवाओं को दिया मैसेज

बाबा शिवानंद ने युवा पीढ़ी को दिए अपने मैसेज में कहा कि युवाओं को सुबह जल्दी उठकर आधा घंटा योग करना चाहिए, संतुलित जीवनशैली अपनानी चाहिए और स्वस्थ रहने के लिए प्रतिदिन टहलना चाहिए। बाबा के शुरुआती जीवन के बारे में पूछने पर बेंगलुरु से उनके शिष्य फाल्गुन भट्टाचार्य बहुत भावुक हो गए। उन्होंने बताया कि बाबा का जन्म एक भिखारी परिवार में हुआ था। चार साल की उम्र में इनके मां बाप ने इन्हें गांव में आए संत ओंकारानंद गोस्वामी को सौंप दिया ताकि इन्हें खाना पीना तो मिल सके। उन्होंने बताया कि छह साल की उम्र में बाबा को संत ने घर जाकर अपने मां-बाप के दर्शन करने को कहा। लेकिन घर पहुंचने पर त्रासदीपूर्ण घटनाएं हुईं।

नई दिल्ली (एजेंसी)। पद्मश्री से सम्मानित योग साधक स्वामी शिवानंद बाबा पिछले 100 साल से हर कुंभ (प्रयागराज, नासिक, उज्जैन, हरिद्वार) में शामिल हो रहे हैं। यह जानकारी उनके शिष्य संजय सर्वजाना ने दी। सेक्टर 16 में संगम लोअर मार्ग पर स्थित बाबा के शिविर के बाहर लगे बैनर में छपे उनके आधार कार्ड में उनकी जन्मतिथि आठ अगस्त, 1896 दर्ज है। इस तरह उनकी उम्र 129 साल है। हर रोज की तरह बृहस्पतिवार को सुबह वह अपने कक्ष में योग ध्यान में लीन थे और उनके शिष्य बाबा के बाहर आने का इंतजार कर रहे थे।

दुनिया देखेगी भारत के स्वामित्व योजना का जलवा, 20 देशों के 40 प्रतिनिधि होंगे शामिल; वाशिंगटन में भी होगा शोकेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ग्रामीण आबादी क्षेत्र में संपत्ति मालिकों का संपत्ति कार्ड देने के लिए 22 अप्रैल, 2020 को स्वामित्व योजना शुरू की थी। पंचायतीराज मंत्रालय की इस योजना के तहत देशभर के कुल 3,46,187 गांवों को अधिसूचित किया गया है,

जिसमें से 3,17,715 गांवों में ड्रोन के माध्यम से सर्वे का काम पूरा हो गया है। 2.25 करोड़ संपत्ति कार्ड बांटे जा चुके हैं।

दुनिया के सामने होगा सफलता का शोकेस- संपत्ति विवाद में कमी, भूमि रिकॉर्ड के प्रबंधन जैसे उद्देश्यों के साथ शुरू की गई इस योजना की सफलता का शोकेस दुनिया के सामने सजाने जा रही है। मार्च में विदेश मंत्रालय के सहयोग से प्रस्तावित भूमि प्रशासन कार्यशाला में 20 देशों के प्रतिनिधि बुलाए जा रहे हैं। सरकार को आस है कि दुनिया के अन्य देश भी भारत के इस सफल मॉडल को अपना सकते हैं।

20 देशों के अधिकारी कार्यशाला में होंगे शामिल

पंचायतीराज मंत्रालय के सचिव विवेक भारद्वाज ने बताया कि मंत्रालय वैश्विक मंचों पर स्वामित्व योजना की सफलता को प्रदर्शित करने की योजना बना रहा है। मार्च, 2025 में विदेश मंत्रालय के सहयोग से भारत में भूमि प्रशासन पर एक अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की जा रही है। उसमें अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और दक्षिण पूर्व एशिया के 20 देशों के लगभग 40 प्रतिनिधि भाग लेंगे। इस कार्यशाला का उद्देश्य सर्वोत्तम कार्यप्रणाली और उन्नत ड्रोन एवं जीआईएस तकनीक वाली स्वामित्व योजना को साझा करना है।

विश्व बैंक भूमि प्रशासन सम्मेलन में भी होगा प्रदर्शन- दुनिया भर में इसी तरह की पहल में सहयोग देने के लिए भारत सरकार तैयार है। इसी तरह मई, 2025 में पंचायतीराज मंत्रालय भारत की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने और स्वामित्व मॉडल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनाए जाने की संभावनाओं को मजबूत करने के लिए वाशिंगटन में होने जा रही विश्व बैंक भूमि प्रशासन सम्मेलन में भाग लेने जा रहा है। सचिव ने दावा किया कि भूमि प्रबंधन का ऐसा मॉडल अन्य किसी देश में नहीं है।

दिल्ली-यूपी में घने कोहरे ने थामी रफ्तार, दर्जनों ट्रेनें लेट; पहाड़ों पर बारिश की संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। ठंड के साथ घने कोहरे के असर ने दिल्ली- एनसीआर ही नहीं बल्कि उत्तर भारत के कई राज्यों में जनजीवन को प्रभावित कर रखा है। शुक्रवार को दिल्ली-एनसीआर के साथ ही उत्तर प्रदेश के अधिकांश जिलों, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में भी घने कोहरे का प्रकोप दिखा। इस कारण से ट्रेनों की रफ्तार तो थमी ही, बल्कि कम दृश्यता के कारण उड़ानों पर भी असर पड़ा। इस कारण यात्रियों को घंटों इंतजार करना पड़ा। कोहरे का यलो अलर्ट भी जारी किया गया

वहीं घने कोहरे से अभी जल्द राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि शनिवार की सुबह भी ज्यादातर जगह स्माग एवं घना कोहरा छाया रहेगा। दिन में आसमान साफ रहेगा। कोहरे का यलो अलर्ट भी जारी किया गया है। वहीं 22 और 23 जनवरी को हल्की वर्षा होने और ठिठुरन भरी ठंड बढ़ने का पूर्वानुमान है। राजधानी का न्यूनतम तापमान सामान्य से 1.2 डिग्री अधिक 8.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आलम यह रहा कि आइजीआइ एयरपोर्ट पर सुबह तीन से साढ़े सात बजे तक दृश्यता शून्य रही। दिल्ली से चलने वाली 27 ट्रेनें कोहरे के कारण लेट रहीं। साथ ही इधर आने वाली कई ट्रेनें भी घंटों की देरी से पहुंची।

पंजाब के कई जिलों में सुबह और शाम घनी धुंध- पंजाब में अधिकतर जिलों में शुक्रवार सुबह कोहरे का प्रकोप दिखा। कम दृश्यता के कारण वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि दिन चढ़ने के साथ ही धूप भी खिली,जिससे लोगों को ठिठुरन से राहत मिली।

मौसम विभाग के अनुसार शनिवार को भी पंजाब के कई जिलों में सुबह और शाम घनी धुंध पड़ने की संभावना है। शुक्रवार को पठानकोट का न्यूनतम तापमान 2.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। हरियाणा के नारनौल में छह डिग्री सेल्सियस, चंडीगढ़ में 6.5 डिग्री सेल्सियस और राजस्थान के माउंट आबू में 0.8 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया।

कर्नाटक सीएम सिद्धरमैया के खिलाफ ईडी की बड़ी कार्रवाई, MUDA मामले में 300 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और अन्य से जुड़े एमयूडीए मनी लॉन्ड्रिंग मामले में लगभग 300 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति की 140 से अधिक इकाइयां कुर्क की हैं। प्रवर्तन निदेशालय ने शुक्रवार को बयान में यह बात की। यह कुर्की मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) द्वारा भूमि आवंटन में कथित अनियमितताओं की मनी लॉन्ड्रिंग जांच को लेकर की गई है।

कुर्क की गई संपत्तियां विभिन्न व्यक्तियों के नाम पर पंजीकृत- संघीय एजेंसी ने एक बयान में कहा कि कुर्क की गई संपत्तियां विभिन्न व्यक्तियों के नाम पर पंजीकृत हैं जो रियल एस्टेट व्यवसायियों और एजेंटों के रूप में काम कर रहे हैं। कर्नाटक के सीएम सिद्धरमैया पर आरोप है कि उन्होंने राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए एमयूडीए द्वारा अधिग्रहित तीन एकड़ 16 गुंटा भूमि के बदले में अपनी पत्नी बीएम पार्वती के नाम पर 14 साइटों का मुआवजा लिया।

एजेंसी ने कहा कि जमीन मूल रूप से एमयूडीए द्वारा 3,24,700 रुपये में अधिग्रहित की गई थी। पॉश इलाके में 14 साइटों के रूप में मुआवजे की कीमत 56 करोड़ रुपये है। वहीं, मुख्यमंत्री से इस मामले में कर्नाटक लोकायुक्त द्वारा पूछताछ की गई है। हालांकि उन्होंने बार-बार अपने या अपने परिवार द्वारा किसी भी गलत काम से इनकार किया है और कहा है कि विपक्ष उनसे डरा हुआ है और ये राजनीति से प्रेरित आरोप हैं।

ये है पूरा मामला - मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण, कर्नाटक की राज्य स्तरीय विकास एजेंसी है। इस एजेंसी का काम लोगों को किफायती कीमत पर आवास उपलब्ध कराना है। मुडा शहरी विकास के दौरान अपनी जमीन खोने वाले लोगों के लिए एक योजना लेकर आई थी।

50:50 नाम की इस योजना में जमीन खोने वाले लोग विकसित भूमि के 50 प्रतिशत के हकदार होते थे। यह योजना 2009 में पहली बार लागू की गई थी। हालांकि, 2020 में तत्कालीन भाजपा सरकार ने इस योजना को बंद कर दिया था।

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in
24x7 News portal

सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित

jagrayam.com
online news magazine

हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्

सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 माघ कृष्ण षष्ठमी

संपादकीय

बिटकॉइन, सोना और अमेरिकी शेयर का प्रदर्शन खास तौर पर शानदार रहा....

जोखिम भरी परिसंपत्तियों के लिए 2024 बेहतरीन साल रहा। बिटकॉइन, सोना और अमेरिकी शेयर का प्रदर्शन खास तौर पर शानदार रहा। अमेरिका में एसऐंडपी 500 सूचकांक ने लगातार दूसरे साल 25 फीसदी से अधिक प्रतिफल दिया। इससे पहले अमेरिकी शेयरों ने लगातार दो साल तक 20 फीसदी से अधिक की वृद्धि 1997-98 में डॉट कॉम बबल के दौर में की थी, जब तकनीकी कंपनियों का जलवा था। जैसा हमेशा होता है, उभरते बाजारों की परिसंपत्तियां पिछड़ी रहीं और पिछले साल उनके शेयरों में केवल 8 फीसदी की तेजी आई। यूरोपीय शेयर 9.5 फीसदी चढ़े मगर अमेरिका अपवाद बना रहा! सोने ने पिछले 25 साल की तरह इस बार भी शेयरों से ज्यादा रिटर्न दिया। उसके भाव 27.5 फीसदी चढ़ गए। बिटकॉइन 120 फीसदी प्रतिफल के साथ सबसे आगे रहा।

अमेरिकी शेयर बाजारों तथा अमेरिकी अपवाद पर बाकी लोगों के मुकाबले मैं कुछ कम सकारात्मक सोच रखता हूं। मुझे शेयरों के बढ़े मूल्यांकन, बढ़ते खुदरा रुझान और मुद्रास्फीति में नए उभार की ज्यादा चिंता है। बॉन्ड बाजार में हाहाकार मचने का खतरा भी मेरे दिमाग में है। अगर आप केप (साइक्लिकली एडजस्टेड प्राइस टु अर्निंग) अनुपात पर नजर डालें तो 1999-2000 में डॉट कॉम बबल के दौरान ही यह इससे ऊंचा था। प्राइस टु बुक या प्राइस टु सेल के अन्य मूल्यांकन मानकों पर हम पहले ही डॉट कॉम बबल के स्तर से आगे पहुंच चुके हैं। मेरे लिए यह मानना मुश्किल है कि तेज विस्तार या बढ़त की कोई गुंजाइश अब बची रह गई है। वित्तीय बाजार के पिछले 25 साल के प्रतिफल के आंकड़े बताते हैं कि लंबी अवधि में मिलने वाले प्रतिफल का अनुमान लगाते समय आरंभिक मूल्यांकन सबसे ज्यादा अहमियत रखता है। क्या अमेरिकी शेयरों से लंबे समय में हमें वाकई जानदार प्रतिफल मिल सकता है, जबकि शुरुआत में ही मूल्यांकन इतना ज्यादा है? पिछले वित्तीय आंकड़े तो इनकार में ही जवाब देते हैं।

मुद्रास्फीति की बात करें तो संकेत यही हैं कि यह अनुमान से कहीं अधिक ढीठ और लंबे समय तक ऊंचाई पर टिकती नजर आ रही है। रोजगार, ब्याज दर से प्रभावित होने वाली खपत और अमेरिकी अर्थव्यवस्था अनुमान से ज्यादा मजबूत दिख रहे हैं। अमेरिकी फेडरल रिजर्व खुद भी भविष्य में दर कटौती करने और कटौती का समय तय करने में खासी सतर्कता बरत रहा है। अभी यह भी देखना है कि डॉनल्ड ट्रंप शुल्क और आव्रजन के मोर्चे पर क्या रुख अपनाते हैं? परंतु वह अपने चुनावी वादों पर अड़े रहे तो फेडरल रिजर्व को आगे जाकर दर घटाने के बजाय बढ़ानी पड़ सकती हैं। किसी को भी 2025 में ऐसा होने का अंदेशा नहीं है, इसलिए बाजार के लिए यह बड़ा सदमा होगा।

दुनिया भर में बॉन्ड बाजार में उतार चढ़ाव है और विकसित बाजारों में राजकोषीय चुनौतियां साफ दिख रही हैं। इस समस्या को हल करने की राजनीतिक इच्छाशक्ति भी नजर नहीं आ रही है। क्या बाजार 5 फीसदी के ऊपर बॉन्ड यील्ड झेल पाएंगे क्योंकि अब यील्ड वहां तक पहुंचना संभव लग रहा है। शेयरों की बात करें तो मुझे उभरते बाजार और यूरोप में ज्यादा निवेश करना समझदारी लग रहा है, जो अमेरिकी अपवाद पर भरोसा करने वालों से उलटा दांव है।

एक तरह से यह धारणा बन चुकी है कि अमेरिका हमेशा बेहतर प्रदर्शन करेगा और किसी भी दूसरे देश या क्षेत्र में निवेश करना समय की बरबादी है। इस पर सबकी रजामंदी भी साफ नजर आती है। आज कई सक्रिय निवेशक ऐसे हैं, जिन्होंने अमेरिका के कमजोर प्रदर्शन का दौर देखा ही नहीं है क्योंकि पिछले 16 साल से अमेरिकी शेयर बाकी सबसे ज्यादा रिटर्न देते रहे हैं। मगर हमेशा ऐसा नहीं रहा है। वैश्विक वित्तीय संकट के पहले तमाम क्षेत्रों का प्रदर्शन देख लीजिए।

चंद्र मोहन जैन (ओशो)

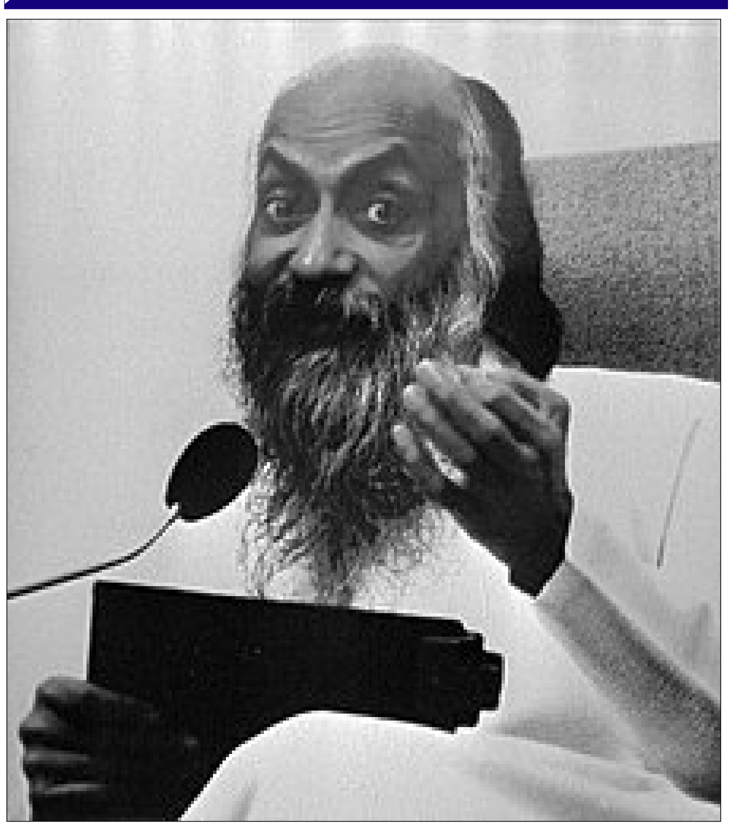

चंद्र मोहन जैन, जिन्हें क्रमशः भगवान श्री रजनीश, ओशो रजनीश, या केवल रजनीश के नाम से जाना जाता है, एक भारतीय , दार्शनिक ,विचारक, और रजनीश आंदोलन के प्रणेता-नेता थे। अपने संपूर्ण जीवनकाल में आचार्य रजनीश को एक विवादास्पद रहस्यदर्शी, गुरु और आध्यात्मिक शिक्षक के रूप में देखा गया। वे धार्मिक रूढ़िवादिता के बहुत कठोर आलोचक थे, जिसकी वजह से वह बहुत ही जल्दी विवादित हो गए और ताउम्र विवादित ही रहे। 1960 के दशक में उन्होंने पूरे भारत में एक सार्वजनिक वक्ता के रूप में यात्रा की और वे पूंजीवाद, व गांधी के कुछ विचारो और हिंदू धार्मिक, इस्लाम, ख्रिश्चन के परंपरा और नियमों के प्रखर आलोचक रहे। उन्होंने मानव कामुकता के प्रति एक ज्यादा खुले रवैया की वकालत की, जिसके कारण वे भारत तथा पश्चिमी देशों में भी आलोचना के पात्र रहे, हालाँकि बाद में उनका यह दृष्टिकोण अधिक स्वीकार्य हो गया।

चन्द्र मोहन जैन का जन्म भारत के मध्य प्रदेश राज्य के रायसेन शहर के कुच्वाडा गांव में हुआ था। ओशो शब्द की मूल उत्पत्ति के सम्बन्ध में कई धारणायें हैं। एक मान्यता के अनुसार, खुद ओशो कहते है कि ओशो शब्द कवि विलयम जेम्स की एक कविता ओशनिक एक्सपीरियंस के शब्द ओशनिक से लिया गया है, जिसका अर्थ है सागर में विलीन हो जाना। शब्द ओशनिक अनुभव का वर्णन करता है, वे कहते हैं, लेकिन अनुभवकर्ता के बारे में क्या? इसके लिए हम ओशो शब्द का प्रयोग करते हैं। अर्थात, ओशो मतलब- सागर से एक हो जाने का अनुभव करने वाला। 1960 के दशक में वे आचार्य रजनीश के नाम से एवं 1970 -80 के दशक में भगवान श्री रजनीश नाम से और 1989 के समय से ओशो के नाम से जाने गये। वे एक आध्यात्मिक गुरु थे, तथा भारत व विदेशों में जाकर उन्होने प्रवचन दिये।

रजनीश ने अपने विचारों का प्रचार करना मुम्बई में शुरू किया, जिसके बाद, उन्होंने पुणे में अपना एक आश्रम स्थापित किया, जिसमें विभिन्न प्रकार के उपचारविधान पेश किये जाते थे. तत्कालीन भारत सरकार से कुछ मतभेद के बाद उन्होंने अपने आश्रम को ऑरगन, अमरीका में स्थानांतरित कर लिया। 1985 में एक खाद्य सम्बंधित दुर्घटना के बाद उन्हें संयुक्त राज्य से निर्वासित कर दिया गया और 21 अन्य देशों से ठुकराया जाने के बाद वे वापस भारत लौटे और पुणे के अपने आश्रम में अपने जीवन के अंतिम दिन बिताये।

जीवन

ओशो का मूल नाम चन्द्र मोहन जैन था। वे अपने पिता की ग्यारह संतानो में सबसे बड़े थे। उनका जन्म मध्य प्रदेश में गाडरवारा जिले के अंतर्गत आने वाले कुचवाडा ग्राम में हुआ था। उनके माता पिता श्री बाबूलाल और सरस्वती जैन, जो कि तैरापंथी दिगंबर जैन थे, ने उन्हें अपने ननिहाल में 7 वर्ष की उम्र तक रखा था। ओशो के स्वयं के अनुसार उनके विकास में इसका प्रमुख योगदान रहा क्योंकि उनकी नानी ने उन्हें संपूर्ण स्वतंत्रता, उन्मुक्तता तथा रुढ़िवादी शिक्षाओं से दूर रखा। जब वे 7 वर्ष के थे तब उनके नाना का निधन हो गया और वे गाडरवारा अपने माता पिता के साथ रहने चले गए।

रजनीश बचपन से ही गंभीर व सरल स्वभाव के थे, वे शासकीय आदर्श उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में पढा करते थे। विद्यार्थी काल में रजनीश बगावती सोच के व्यक्ति हुआ करते थे, जिसे परंपरागत तरीके नहीं भाते थे। किशोरावस्था तक आते-आते रजनीश नास्तिक बन चुके थे। उन्हें ईश्वर और आस्तिकता में जरा भी विश्वास नहीं था। अपने विद्यार्थी काल में उन्होंने ने एक कुशल वक्ता और तर्कवादी के रूप में अपनी पहचान बना ली थी। किशोरावस्था में वे आज़ाद हिंद फ़ौज और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में भी क्षणिक काल के लिए शामिल हुए थे।

जीवनकाल

वर्ष 1957 में दर्शनशास्त्र के प्राध्यापक के तौर पर रजनीश रायपुर विश्वविद्यालय से जुड़े। लेकिन उनके गैर परंपरागत धारणाओं और जीवनयापन करने के तरीके को छात्रों के नैतिक आचरण के लिए घातक समझते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति ने उनका स्थानांतरण कर दिया। अगले ही वर्ष वे दर्शनशास्त्र के प्राध्यापक के रूप में जबलपुर विश्वविद्यालय में शामिल हुए। इस दौरान भारत के कोने-कोने में जाकर उन्होंने गांधीवाद और समाजवाद पर भाषण दिया; अब तक वह आचार्य रजनीश के नाम से अपनी पहचान स्थापित कर चुके थे।

वे दर्शनशास्त्र के अध्यापक थे। उनके द्वारा समाजवाद, महात्मा गाँधी की विचारधारा तथा संस्थागत धर्म पर की गई अलोचनाओं ने उन्हें विवादास्पद बना दिया। वे मानव कामुकता के प्रति स्वतंत्र दृष्टिकोण के भी हिमायती थे जिसकी वजह से उन्हें कई भारतीय और फिर विदेशी पत्रिकाओ में ÷सेक्स गुरु÷ के नाम से भी संबोधित किया गया।

1970 में ओशो कुछ समय के लिए मुंबई में रुके और उन्होने अपने शिष्यों को ÷नव संन्यास÷ में दीक्षित किया और अध्यात्मिक मार्गदर्शक की तरह कार्य प्रारंभ किया। उनके विचारों के अनुसार, अपनी देशनाओं में वे सम्पूर्ण विश्व के रहस्यवादियों, दार्शनिकों और धार्मिक विचारधारों को नवीन अर्थ दिया करते थे। 1974 में पुणे आने के बाद उन्होनें अपने ÷आश्रम÷ की स्थापना की जिसके बाद विदेशियों की संख्या बढ़ने लगी, जिसे आज ओशो इंटरनॅशनल मेडिटेशन रेसॉर्ट के नाम से जाना जाता है. तत्कालीन जनता पार्टी सरकार के साथ मतभेद के बाद 1980 में ओशो ÷अमेरिका÷ चले गए और वहां ओरेगॉन, संयुक्त राज्य की वास्को काउंटी में रजनीशपुरम की स्थापना की। 1985 में इस आश्रम में सामुहिक फ़ूड पॉइज़निंग की घटना के बाद उन्हें संयुक्त राज्य से निर्वासित कर दिया गया.

मृत्यु

ओशो की मृत्यु 19 जनवरी 1990 को, 58 वर्ष की आयु में, पुणे, भारत में आश्रम में हुई। मौत का आधिकारिक कारण हृदय गति रुकना था, लेकिन उनके कम्यून द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि अमेरिकी जेलों में कथित जहर देने के बाद ÷शरीर में रहना नरक बन गया था÷ इसलिए उनकी मृत्यु हो गई।[13] उनकी राख को पुणे के आश्रम में लाओ त्जु हाउस में उनके नवनिर्मित बेडरूम में रखा गया था। ओशो की समाधि पर स्मृतिलेख है, न जन्में न मरे - सिर्फ 11 दिसंबर, 1931 और 19 जनवरी, 1990 के बीच इस ग्रह पृथ्वी का दौरा किया।

ओशो की मौत अभी भी एक रहस्य बनी हुई है और जनवरी 2019 में द क्विंट के एक लेख में कुछ प्रमुख प्रश्न पूछे गए हैं जैसे ÷क्या ओशो की हत्या पैसे के लिए की गई थी? क्या उनकी वसीयत नकली है? क्या विदेशी भारत के खजाने को लूट रहे हैं?

प्रमुख प्रकाशित पुस्तकें

हिंदी में प्रकाशित साहित्य
उपनिषद पर केन्द्रित-
सर्वसार उपनिषद
कैवल्य उपनिषद
अध्यात्म उपनिषद
कठोपनिषद
ईशावास्य उपनिषद
निर्वाण उपनिषद
आत्म-पूजा उपनिषद
केनोपनिषद
मेरा स्वर्णिम भारत (विविध उपनिषद-सूत्र)
कृष्ण एवं गीता पर केन्द्रित-
गीता-दर्शन (आठ भागों में अठारह अध्याय)
कृष्ण-स्मृति
महावीर पर केन्द्रित-
महावीर वाणी (दो भागों में)
जिन-सूत्र (दो भागों में)
महावीर या महाविनाश
महावीर = मेरी दृष्टि में
ज्यों की त्यों धरि दीन्हीं चदरिया
बुद्ध पर केन्द्रित-
एस धम्मो सनंतनो (बारह भागों में)
अष्टावक्र पर केन्द्रित-
अष्टावक्र-महागीता (छह भागों में)
कबीर पर केन्द्रित-
सुनो भई साधो
कहै कबीर दीवाना
कहै कबीर मैं पूरा पाया
मगन भया रसि लागा

मेक इन इंडिया को मिलेगा बढ़ावा, बजट में कॉरपोरेट टैक्स में नए निवेशकों को छूट दे सकती है सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। आगामी बजट में सरकार मैन्यूफैक्चरिंग व मेक इन इंडिया को प्रोत्साहित करने के लिए कॉरपोरेट टैक्स में नए निवेशकों को राहत दे सकती है। ताकि निजी निवेशकों को आकर्षित किया जा सके।

सूत्रों के मुताबिक मैन्यूफैक्चरिंग में निजी निवेश को बढ़ाने के लिए सरकार नई यूनिट के लिए कॉरपोरेट टैक्स की दर को 15-18 प्रतिशत कर सकती है। अभी घरेलू कारपोरेट के लिए यह दर 22 प्रतिशत है। चालू वित्त वर्ष 2024-25 की पहली छमाही में मैन्यूफैक्चरिंग का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है।

रोजगार और विकास दर में बढ़ोतरी संभव नहीं- मैन्यूफैक्चरिंग के प्रदर्शन को बेहतर किए बगैर रोजगार और विकास दर में बढ़ोतरी संभव नहीं है। चालू वित्त वर्ष में सरकार ने खुद ही विकास दर 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है जो पिछले चार वित्त वर्ष में सबसे कम होगा। इसे देखते हुए वित्त वर्ष 2025-26 में सरकार के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती विकास दर को सात प्रतिशत से ऊपर ले जाने की होगी। विभिन्न औद्योगिक संगठनों की तरफ से वित्त मंत्रालय के साथ बजट पूर्व बैठक में कारपोरेट टैक्स में छूट देने की मांग रखी गई थी। सूत्रों के मुताबिक सरकार अब नए निवेश पर छूट देने का मन बना रही है।

निवेश पर कॉरपोरेट टैक्स को 15 प्रतिशत- इस प्रकार की स्कीम वर्ष 2019 में भी लाई गई थी और तब नए निवेश पर कॉरपोरेट टैक्स को 15 प्रतिशत कर दिया गया था। लेकिन उसके ठीक बाद कोरोना महामारी के आ जाने से इस स्कीम का बहुत लाभ नहीं मिल सका।

हालांकि मैन्यूफैक्चरिंग को प्रोत्साहित करने लिए वर्ष 2020 में प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) स्कीम की घोषणा की गई और अब तक 14 सेक्टर में पीएलआई स्कीम लाई जा चुकी है। लेदर जैसे रोजगारपरक सेक्टर के लिए भी बजट में पीएलआई की घोषणा हो सकती है।

सरकार किसान क्रेडिट कार्ड लोन की सीमा बढ़ा सकती है

मंत्रालय सूत्रों के मुताबिक आगामी एक फरवरी को पेश होने वाले बजट में सरकार किसान क्रेडिट कार्ड के तहत मिलने वाले लोन की राशि सीमा को तीन लाख रुपए से बढ़ाकर पांच लाख तक कर सकती है। अगर ऐसा होता है तो इसका लाभ किसान क्रेडिट कार्ड रखने वाले 7.4 करोड़ किसानों को मिल सकता है।

सरकार लाने जा रही है नया इनकम टैक्स लॉ, बजट स्पीच में वित्त मंत्री कर सकती हैं ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। बजट प्रस्तुत करने में अब ज्यादा दिन का समय नहीं बचा है। ऐसे में सबकी निगाह इस बात पर टिकी हुई है कि सरकार की तरफ से क्या कुछ बदलाव देखने को मिल सकता है। रिपोर्ट्स के अनुसार केंद्र सरकार की तरफ से डायरेक्ट टैक्स लॉ के लिए नया बिल इस बार पेश किया जा सकता है। सरकार की कोशिश है कि इस नए बिल के जरिए विषयों का सरलीकरण किया जाए और उसकी कठिन भाषा को सुधारा जाए। जिससे आम आदमी को उसे पढ़ने और समझने में कोई दिक्कत ना हो।

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार समिति यह तय कर रही है कि 63 साल पुराने इनकम टैक्स एक्ट की जगह लेने वाला नया टैक्स लॉ 2 या तीन भागों में होगा या नहीं। सरकार की तरफ से मिल रहे संकेतों को अगर देखें तो साफ लग रहा है कि अधिकारियों का काम पूरा होने के बाद इसपर पब्लिक का कमेंट लिया जाएगा। सरकार इस समय कठिन टैक्स लॉं की वजह से आलोचनाओं का सामना कर रही है। लेकिन नया कानून में टैक्सपेयर्स और एक्सपर्ट्स की राय से तैयार होगा।

सरकार की कोशिश है कि यह नया बिल बजट में प्रस्तुत किया जाए। यही वजह है कि प्रधानमंत्री कार्यालय के अधिकारी और वित्त मंत्रालय से जुड़े अधिकारी पिछले 6 से 8 हफ्तों से लगातार काम कर रहे हैं। जिससे यह बिल बजट के दौरान प्रस्तुत किया जा सके।

नवरत्न डिफेंस स्टॉक पर फिदा हुए एक्सपर्ट, बोले खरीद लो, 360 रुपये तक जाएगा भाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। नवरत्न कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयरों के प्रदर्शन को लेकर ब्रोकरेज मोतीलाल ओसवाल काफी बुलिश है। ब्रोकरेज हाउस का मानना है कि कंपनी के शेयरों का भाव आने वाले समय में बढ़ेगा। ऐसे में यह स्टॉक 360 रुपये के स्तर पर तक पहुंच सकता है। मोतीलाल ओसवाल का कहना है कि सरकारी कंपनी के शेयरों में 27.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी की क्षमता है। बता दें, इस स्टॉक के लिए भारत इलेक्ट्रॉनिक्स को बाय टैग दिया है।

क्या कुछ कहा है ब्रोकरेज हाउस ने

मोतीलाल ओसवाल ने अपनी रिपोर्ट में कहा है, कई बड़े प्लेटफॉर्म के ऑर्डर अगले 1 से 3 साल में फाइनल हो सकते हैं। हम उम्मीद कर रहे हैं डिफेंस कंपनी को इसका बड़ा फायदा मिलेगा। हमें उम्मीद है कि भारत इलेक्ट्रॉनिक्स का मार्केट शेयर आने वाले सालों में बढ़ेगा। यह डिफेंस सेक्टर के ग्रोथ से भी तेज गती से आगे बढ़ेगा।

डिफेंस इलेक्ट्रॉनिक मार्केट की लीडर बीईएल है। कंपनी के पास इस सेक्टर का 60 प्रतिशत मार्केट शेयर है। पूरे डिफेंस मार्केट में कंपनी ने लगातार अपना रेवन्यू सुधारा है। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के नतीजों के साथ बीईएल ने 250 बिलियन रुपये के वर्क ऑर्डर का टारगेट सेट किया था। आज की तारीख में कंपनी के पास 100 बिलियन रुपये का काम मिल चुका है। कंपनी बचे 150 बिलियन रुपये के काम को आखिरी तिमाही तक हासिल करने की उम्मीद जता रही है। जिसमें प्रमुख तौर पर रडार, ईडब्ल्यू सूट, अतुल्या और शक्ति ईडब्ल्यू प्रोजेक्ट्स है। इन प्रोजेक्ट्स को लेकर बातचीत अपने अंतिम दौर में है। उम्मीद है कि इस छमाही के अंत तक इसे फाइनल कर लिया जाएगा।

1 शेयर पर 1 शेयर बोनस दे रही है कंपनी, रिकॉर्ड डेट का हो गया है ऐलान, 6 महीने में किया पैसा डबल

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीते कुछ सालों के दौरान रिचफील्ड फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के शेयरों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। अब कंपनी की तरफ से योग्य निवेशकों को 1 शेयर पर 1 शेयर बोनस दिया जाएगा। जिसके लिए रिकॉर्ड डेट का ऐलान कर दिया गया है। बता दें, शुक्रवार को रिचफील्ड सर्विसेज लिमिटेड के शेयरों में अपर सर्किट लगा था। जिसके बाद कंपनी के शेयरों का भाव 2 प्रतिशत की उछाल के साथ 117.82 रुपये के लेवल पर पहुंच गया।

कंपनी ने एक्सचेंज को दी जानकारी में कहा है कि 1 शेयर पर 1 शेयर बोनस दिया जाएगा। इस बोनस इश्यू के लिए 14 फरवरी दिन शुक्रवार को रिकॉर्ड डेट तय किया गया है। यानी जिस किसी निवेशक का नाम इस दिन रिकॉर्ड बुक में रहेगा उन्हें ही बोनस शेयर का लाभ मिलेगा। बता दें, कंपनी पहली बार अपने निवेशकों को बोनस शेयर दे रही है।

रिचफील्ड फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड ने डिविडेंड दिया है। कंपनी की तरफ से पिछले साल जुलाई के महीने में डिविडेंड दिया गया था। तब कंपनी ने एक शेयर पर 0.80 रुपये का डिविडेंड योग्य निवेशकों को दिया था। महज एक हफ्ते में ही इस बोनस शेयर देने वाली कंपनी के शेयरों की कीमतों में 10 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिल चुकी है।

अब फ्रॉड नंबर का फट से लगेगा पता, आरबीआइ का बैंकों को निर्देश- केवल इसी नंबर से ही करें ग्राहकों को कॉल

नई दिल्ली (एजेंसी)। आरबीआइ ने बैंकों से कहा है कि लेनदेन के उद्देश्य से ग्राहकों को कॉल करने के लिए वे केवल 1600 फोन नंबर सीरीज का उपयोग करें। अगर बैंक और अन्य विनियमित संस्थाएं प्रचार उद्देश्यों के लिए ग्राहकों को काल या एसएमएस करती हैं तो उन्हें 140 फोन नंबर सीरीज का उपयोग करना चाहिए।

वित्तीय धोखाधड़ी पर लगाम लगाने की कोशिश- आरबीआइ का मानना है कि इससे वित्तीय धोखाधड़ी पर लगाम लगेगी। इसके अलावा, आरबीआइ ने बैंकों और अन्य

विनियमित संस्थाओं को अपने ग्राहक डेटाबेस की निगरानी करने और अनुपयोगी डाटा को हटाने के लिए कहा है।

बैंकों को आरबीआई ने सर्कुलर जारी किया- बैंकों को जारी सर्कुलर में आरबीआइ ने उचित सत्यापन के बाद पंजीकृत मोबाइल नंबर को अपडेट करने और निरस्त मोबाइल नंबरों से जुड़े खातों की निगरानी बढ़ाने को कहा है, जिससे लिंक किए गए खातों को धोखाधड़ी में शामिल होने से रोका जा सके।

31 मार्च से पहले मानने होंगे निर्देश- आरबीआइ ने 31 मार्च 2025 से पहले निर्देशों का अनुपालन करने को कहा है। आरबीआइ ने कहा है कि डिजिटल लेनदेन के प्रसार ने ग्राहकों को सुविधा प्रदान की है, लेकिन इससे धोखाधड़ी में भी वृद्धि हुई है। यह एक गंभीर चिंता का विषय है और इसके खिलाफ ठोस कार्रवाई की आवश्यकता को रेखांकित करता है।

एक अन्य सर्कुलर में आरबीआइ ने सभी बैंकों से कहा कि वे सभी मौजूदा और नए खातों व लाकर में नामिनी सुनिश्चित करें। केंद्रीय बैंक ने कहा कि बड़ी संख्या में खातों में कोई नामिनी नहीं है।

VI के शेयर 4 दिन में 19% चढ़े, एक्सपर्ट्स को अब किस बात की सता रही है चिंता

नई दिल्ली (एजेंसी)। वोडाफोन आइडिया के शेयरों में तेजी का सिलसिला जारी है। कंपनी के शेयरों में शुक्रवार को एक बार फिर से तेजी देखने को मिली। कल दिन में वोडाफोन आइडिया के शेयरों का भाव 3.58 प्रतिशत की उछाल के साथ 9.25 रुपये के लेवल पर पहुंच गया। महज 4 दिन में ही कंपनी के शेयरों में 19.50 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। इस तेजी के बाद भी वोडाफोन आइडिया के शेयरों पर नजर रखने वाले एक्सपर्ट्स सावधान नजर आ रहे हैं। बता दें, शुक्रवार को बाजार के बंद होने के समय पर कंपनी के शेयरों का भाव बीएसई में 2.13 प्रतिशत की उछाल के बाद 9.12 रुपये के लेवल पर पहुंच गया था। बिजनेस टुडे की रिपोर्ट के अनुसार ब्रोकरेज हाउस सेंट्रम ब्रोकिंग का कहना है, वीआई लिमिटेड ने 40 लाख सब्सक्राइबर्स को गंवाया है। तिमाही दर तिमाही के आधार पर कंपनी का हर एक यूजर्स पर रेवन्यू 5 प्रतिशत बढ़ा है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

लोकायुक्त की छापेमारी में पूर्व परिवहन आरक्षक सौरभ शर्मा और चेतन सिंह गौर के पास 50 से ज्यादा बेनामी संपत्तियां मिलीं

भोपाल। पूर्व परिवहन आरक्षक सौरभ शर्मा और उसके करीबी चेतन सिंह गौर के यहां लोकायुक्त छापे में मिले दस्तावेजों को खंगाल रही लोकायुक्त पुलिस को 50 से अधिक बेनामी संपत्तियों का पता लगा है। इनमें अधिकतर जमीनें होने की जानकारी है।

जिनके नाम संपत्ति है, उनसे पुलिस पूछताछ कर रही है। इसके बाद इन संपत्तियों को बेनामी घोषित किया जाएगा। इसके साथ ही, दुबई में भी सौरभ की संपत्ति का पता लगाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

कई किरदार गायब- लोकायुक्त पुलिस अभी तक चेतन सिंह गौर और सौरभ की मां उमा शर्मा से पूछताछ कर पाई है। मामले में कई किरदार अभी गायब हैं। सौरभ के नजदीकी रिश्तेदार भी पुलिस के रडार पर हैं। चेतन ने पहले पुलिस और आयकर विभाग को पूछताछ में बताया था कि सौरभ ने उसके नाम से फिशरीज का ठेका और पेट्रोल पंप लिया था।

कार में 54 किलो सोना मिला था- लोकायुक्त छापे के अगले दिन जिस कार में 54 किलो सोना और 10 करोड़ रुपये नकद मिले थे, वह भी चेतन के नाम थी, पर उसने बताया था कि कार का उपयोग सौरभ और उसके कार्यालय के लोग कर रहे थे।

दुबई में भी बेनामी संपत्ति होने और अतिरिक्त बैंक लाकरों के संबंध में लोकायुक्त पुलिस को सौरभ से पूछताछ के बाद जानकारी मिलने की संभावना है। लोकायुक्त छापे के पहले से ही सौरभ का पता नहीं है। उसके विरुद्ध लुकआउट सर्कुलर भी जारी है।

अग्रिम जमानत याचिका खारिज- जिला न्यायालय भोपाल से उसकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज हो चुकी है, ऐसे में सौरभ का पुलिस के सामने समर्पण के आसार बढ़ गए हैं। सौरभ शर्मा की बेनामी संपत्तियों की आयकर और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भी जांच कर रहा है। इन दोनों एजेंसियों की जांच भी सौरभ से पूछताछ नहीं हो पाने के कारण आगे नहीं बढ़ पा रही है।

बेनामी संपत्ति राजसात होगी- भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत बेनामी को आय से अधिक संपत्ति में शामिल किया जाता है। भ्रष्टाचार निवारण की विशेष न्यायालय के आदेश से ऐसी संपत्तियों को राज्य सरकार राजसात कर लेती है।

जबलपुर में फर्जी मीडिया अधिकारी की धोखाधड़ी का मामला सामने आया

जबलपुर। कलेक्टर को एक व्यक्ति ने फोन किया। स्वयं को भोपाल वल्लभ भवन का मीडिया अधिकारी बताया। गुरुवार और शुक्रवार को जबलपुर प्रवास होने और ठहरने के लिए सर्किट हाउस में कमरा मांगा। कलेक्टर दीपक सक्सेना ने तुरंत प्रोटोकाल अधिकारी को जानकारी दी।

उसके लिए सर्किट हाउस में एक कक्ष आरक्षित कर दिया गया। वह गुरुवार को सर्किट हाउस में आकर रुका। रात को एक कार से घूमने के लिए निकला। कार की कांच में काली फिल्म चढ़ी थी। लगातार हूटर बज रहा था। ये देखकर पुलिस ने कार को रोका।

पूछताछ में कार सवार पुलिस के उत्तर देने में लड़खड़ाया। संदेह होने पर जांच की गई तो उसका फर्जीवाड़ा सामने आ गया। फर्जी मीडिया अधिकारी सुधीर कुमार प्रसाद को गिरफ्तार किया गया है। वह भोपाल का रहने वाला है। सिविल लाइंस पुलिस ने आरोपित की कार भी जब्त की है।

मैसेज भेजा, कार से आया, सब झांसे में फंस गए- आरोपित सुधीर कुमार प्रसाद ने कलेक्टर को फोन कर अपना परिचय मंत्रालय के मीडिया सोशल अधिकारी के रूप में दिया। उसके बाद सोशल मीडिया पर संदेश भेजकर 16 एवं 17 जनवरी के लिए सर्किट हाउस में रुकने कक्ष मांगा।

वह 16 जनवरी को कार से सर्किट हाउस पहुंचा। कार में हूटर और उसका रौब देखकर अधिकारी उससे ज्यादा कुछ सवाल-जवाब नहीं कर पाए। आते ही उसे सर्किट हाउस का कक्ष आवंटित कर दिया। उसके झांसे में फंसकर सर्किट हाउस के कर्मचारी फर्जी मीडिया अधिकारी की सेवा में जुटे रहे।

रास्ते में रोका, हड़बड़ी में खिलाड़ी बताया गुरुवार की रात को फर्जी अधिकारी सुधीर कुमार प्रसाद हूटर वाली कार में नगर में घूम रहा था। रात को पुलिस वाहनों की जांच कर रही थी। रुकने पर फर्जी अधिकारी ने पुलिस कर्मियों पर रौब झाड़ा। जांच के लिए पूछे जाने पर धौंस जमाने लगा।

कार चालक ने धौंस जमा रहे व्यक्ति को अंतरराष्ट्रीय हाकी खिलाड़ी होना और सर्किट हाउस में रुकना बताया। पुलिस कर्मियों ने अधिकारियों से संपर्क कर जानकारी प्राप्त की तो उसके द्वारा सर्किट हाउस में मीडिया अधिकारी होना बताया गया।अलग-अलग जानकारी देने पर संदेह हुआ। तब उससे घेरे में लेकर पूछताछ की तो तो उसने सर्किट हाउस में रुकने के लिए झूठी जानकारी देना कबूल कर लिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की मौजूदगी में सिवनी में हुआ राज्य स्तरीय कार्यक्रम

ग्वालियर। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने ग्वालियर जिले के 8021 हितग्राहियों सहित प्रदेश के 15 लाख 63 हजार हितग्राहियों को प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना के तहत वर्चुअल संपत्ति कार्ड (अधिकार अभिलेख) वितरित किए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सिवनी में आयोजित हुए राज्य स्तरीय ई-संपत्ति कार्ड वितरण कार्यक्रम में शामिल हुए। यहाँ ग्वालियर में बाल भवन में सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह के मुख्य आतिथ्य में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस अवसर पर जिले के विभिन्न गाँवों से आए हितग्राहियों को संपत्ति कार्ड सौंपे गए।

ग्वालियर जिले में प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना के तहत 497 ग्रामों के कुल एक लाख 8 हजार 145 किसानों को स्वामित्व कार्ड प्रदान किए जाने हैं। इनमें से अब तक 164 गाँवों के 24 हजार 728 किसानों को संपत्ति कार्ड सौंपे जा चुके हैं, जिनमें शनिवार को प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा वर्चुअल रूप से प्रदान किए गए 50 गाँवों के 8 हजार 21 स्वामित्व कार्ड शामिल हैं। शनिवार को बाल भवन में आयोजित हुए कार्यक्रम में विधायक श्री मोहन सिंह राठौर, पूर्व सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर, पूर्व मंत्री श्रीमती इमरती देवी, जिला पंचायत की उपाध्यक्ष श्रीमती प्रियंका सिंह घुरैया, पूर्व विधायक श्री मुन्नालाल गोयल एवं मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष श्री सीताराम बाथम व देवी अहिल्याबाई कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष श्री राजेन्द्र सिंह पाल, कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान व अपर कलेक्टर श्रीमती अंजु अरुण कुमार मंचासीन थीं।

दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए मध्य प्रदेश के पूर्व गृह मंत्री डा. नरोत्तम मिश्रा को भी जिम्मेदारी मिली

भोपाल। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए मध्य प्रदेश के पूर्व गृह मंत्री डा. नरोत्तम मिश्रा को भी जिम्मेदारी मिली है। शनिवार को डा. मिश्रा ने पालम विधानसभा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण बैठक लेकर चुनाव तैयारियों की समीक्षा की। यहां से भाजपा ने कुलदीप सोलंकी को प्रत्याशी बनाया है।

कई बार मिल चुकी है बड़ी जिम्मेदारी- बता दें, नरोत्तम मिश्रा को इससे पूर्व पार्टी उत्तर प्रदेश, बंगाल, महाराष्ट्र सहित अन्य राज्यों के चुनाव में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंप चुकी है। बता दें दिल्ली की सभी 70 सीटों पर एक ही चरण में 5 फरवरी को मतदान होगा। वहीं वोटों की गिनती 8 फरवरी को होगी और दिल्ली को उसकी नई सरकार मिल जाएगी।

मेले में सैलानियों को रूकने को मजबूर कर देती हैं कलात्मक लालटेन

ग्वालियर। ग्वालियर मेले का लुत्फ उठाने आ रहे सैलानी फुटपाथ पर रखीं छोटी-छोटी खूबसूरत एवं कलात्मक लालटेन देखकर थोड़ी देर रूकने के लिए मजबूर हो जाते हैं। महाराष्ट्र के रामपुर शहर से मोहम्मद अकील कलात्मक लालटेन लेकर आए हैं। अकील बमुश्किल चार बाय चार फीट में फुटपाथ के किनारे अपनी दुकान लगाते हैं। एक हाथ से दिव्यांग मोहम्मद अकील के हुनर को बयां कर रहीं आकर्षक लालटेन सैलानियों को बरबस अपनी ओर खींच लेती है।

ऐतिहासिक श्रीमंत माधवराव सिंधिया ग्वालियर व्यापार मेले में यूँ तो बड़े-बड़े शोरूम, ऑटो मोबाइल सेक्टर, आकर्षक व रोमांचक झूले एवं लजीज व्यंजन परोस रहीं खान-पान की दुकानें सैलानियों के आकर्षण का केन्द्र रहती हैं। पर फुटपाथ पर सजने वाली दुकानों का अपना एक अलग ही रंग है और ये मेले की शोभा भी बढ़ाती हैं। फुटपाथी वस्तुओं पर भी सैलानी जमकर पैसा लुटाकर छोटे-छोटे व्यवसाइयों के घरों में खुशियां पहुँचाते हैं। महाराष्ट्र के सुदूर कस्बे से आए मोहम्मद अकील की दुकान भी मेले की शोभा बढ़ा रही है।

इंदौर जिले के 61 हजार 969 हितग्राहियों को आज मिलेंगे भूमि स्वामी अधिकार अभिलेख

इंदौर। इंदौर जिले में स्वामित्व योजना के अंतर्गत आज 18 जनवरी को 213 ग्रामों के 61 हजार 969 हितग्राहियों को भूमि स्वामी अधिकार अभिलेख प्राप्त होंगे। इस अभिलेख से उन्हें भूमि का अधिकार प्राप्त होगा। इससे वे वैधानिक रूप से भू स्वामी बन जायेंगे, उन्हें विभिन्न सुविधाओं का लाभ भी आसानी से मिलेगा, उन्हें कर्ज लेने में भी परेशानी नहीं होगी। भूस्वामी अभिलेख वितरण का कार्यक्रम जिला स्तर से लेकर ग्राम स्तर पर होगा। मुख्य कार्यक्रम 18 जनवरी को दोपहर 12 बजे लता मंगेशकर सभागृह राजेन्द्र नगर में आयोजित होगा।

स्वामित्व योजना के अंतर्गत जिले के 213 ग्रामों के 61 हजार 969 हितग्राहियों को अधिकार अभिलेख वितरित किया जाएगा। कार्यक्रम में इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से अधिकार अभिलेख का वितरण होगा। उक्त योजना के अंतर्गत सभी जिलों में पात्र हितग्राहियों को भूमि स्वामी अधिकार अभिलेख का वितरण स्थानीय जन प्रतिनिधियों की उपस्थिति में समारोहपूर्वक किया जायेगा। इंदौर का जिला स्तरीय कार्यक्रम 18 जनवरी 2025 को दोपहर 12 बजे से लता मंगेशकर सभागृह पुराना राजेन्द्र नगर में आयोजित होगा।

स्वामित्व योजना- ग्रामीण आबादी सर्वे की इस योजना को राज्य शासन द्वारा मान्यता प्रदान की गयी है। योजनान्तर्गत ग्रामीण आबादी का जीआईएस प्रणाली द्वारा भू-माप का अधिकार अभिलेख तैयार किया जाना है।

यह कार्यवाही मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता (भू-सर्वेक्षण तथा भू-अभिलेख) नियम 2020 के अन्तर्गत की जायेगी। भारत सरकार में ग्रामीण आबादी सर्वे हेतु स्वामित्व योजना प्रारंभ की है। इस योजना के क्रियान्वित होने से ग्रामीण सम्पत्ति का रिकार्ड तैयार होगा जिससे ग्राम पंचायतें तथा ग्रामीण आमजन लाभान्वित होगें।

इस योजना का लक्ष्य ग्रामीण क्षेत्र की आबादी का सर्वेक्षण तथा अधिकार अभिलेख तैयार किया जाकर संबंधित हितग्राही को उसके निवास स्थान का दस्तावेज प्रदान किया जायेगा। ग्राम पंचायत हेतु सम्पत्ति रजिस्टर तैयार होने से ग्राम पंचायत की स्थाई आय की व्यवस्था होगी। प्रत्येक सम्पत्ति धारक को सम्पत्ति का प्रमाण पत्र एवं भूमि स्वामित्व प्राप्त होगा एवं सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र प्राप्त होने से मकान पर बैंक से कर्जा लेना आसान होगा।

पात्रता- उक्त योजना में सर्वे कर केवल उन सम्पत्ति धारको का अधिकार अभिलेख तैयार किया जाएगा, जो मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता 1959 (यथा संशोधित 2018) के लागू होने की दिनांक 28 सितम्बर 2018 को आबादी भूमि पर अधिभोगी थे अथवा उन्हें इस दिनांक के पश्चात विधिपूर्वक आबादी भूमि में भू-खण्ड का आवंटन किया गया।

राज्यपाल को लोक सेवा आयोग का 67वां वार्षिक प्रतिवेदन भेंट किया

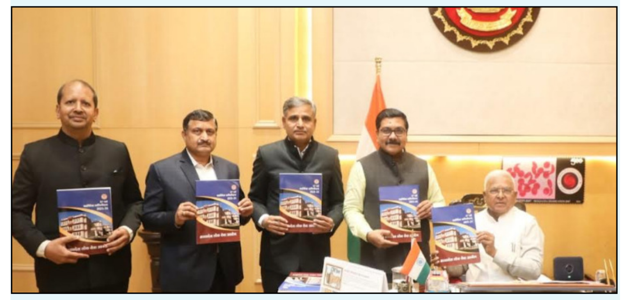

इंदौर। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल से मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग के पदाधिकारियों ने राजभवन में सौजन्य भेंट की। आयोग के अध्यक्ष डॉ. राजेशलाल मेहरा ने आयोग का 67वां वार्षिक प्रतिवेदन भेंट किया। इस अवसर पर सदस्य डॉ. कृष्णकांत शर्मा और डॉ. नरेन्द्र कुमार कोष्टी एवं सचिव श्री प्रबल सिपाहा मौजूद थे। राज्यपाल श्री पटेल को आयोग अध्यक्ष डॉ. मेहरा ने बताया कि आयोग द्वारा वर्ष 2023-24 में राज्य शासन के विभिन्न विभागों के पदों की पूर्ति के लिए 70 विज्ञप्ति जारी की गई है। इस अवधि में 21 परीक्षा आयोजित की गई, जिसमें 13 हजार 833 अभ्यर्थियों का साक्षात्कार किया गया। वर्ष 2023-24 में 3 हजार 114 और वर्ष 2024-25 में 1 हजार 829 अभ्यर्थियों का चयन कर 4 हजार 943 पदों के चयन की अनुशंसा शासन को भेजी गई।

स्कूल शिक्षा विभाग धार द्वारा 2 लाख 28 हजार 196 विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति का भुगतान

इंदौर। संयुक्त संचालक लोक शिक्षण इंदौर संभाग द्वारा धार जिले में स्कूल शिक्षा विभाग की विगत वर्ष की उपलब्धियों की जानकारी देते हुए बताया कि धार जिले में समग्र छात्रवृत्ति के साथ-साथ निःशुल्क सायकल, पाठ्य पुस्तकों तथा कंप्यूटरों का वितरण किया गया है।

समग्र छात्रवृत्ति योजना में कक्षा 1 से 12 वीं तक के 2 लाख 32 हजार 918 पात्र विद्यार्थियों में से 2 लाख 28 हजार 196 विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति का भुगतान किया जा चुका है।

अनुसूचित जाति/जनजाति छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत सत्र 2023-2024 में 43 हजार 79 विद्यार्थियों की प्रोफाइल वेरिफाइड की गई तथा 36 हजार 599 विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति स्वीकृत की जा चुकी है।

जिले में निःशुल्क साइकिल वितरण योजना के अंतर्गत कक्षा 6 वीं में 7 हजार 564 में से पात्र 5 हजार 450 विद्यार्थियों को साइकिलों का वितरण किया गया तथा कक्षा 9 वीं के 8 हजार 562 विद्यार्थियों को सायकलों का वितरण किया जा चुका है। निःशुल्क पाठ्य पुस्तक वितरण योजना के अंतर्गत कक्षा 9 वीं से 12 वीं तक में 5 लाख 39 हजार 247 विद्यार्थियों को पुस्तकों का वितरण किया गया है। आई.सी.टी. योजना के अंतर्गत 82 शालाओं में 10 कंप्यूटर एवं अन्य नव शालाओं में 6 कंप्यूटर स्थापित कर अध्यापन कराया जा रहा है। स्मार्ट क्लास रूम योजना में 13 शालाओं में दो कंप्यूटर, दो स्मार्ट टी.वी. एवं 46 शालाओं में दो इंटरएक्टिव पैनल लगाए गए हैं। शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाई जाने के उद्देश्य से 844 शिक्षकों को टैबलेट क्रय करवाए गए हैं। जिले में 9 पीएम श्री विद्यालय भी संचालित किया जा रहे हैं। उमंग एवं हेल्थ एंड वैलनेस कार्यक्रम का प्रशिक्षण स्वास्थ्य विभाग के साथ-साथ संपन्न कराया गया है। दो हाई स्कूल भवनों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। उन्नयन हाई स्कूल की संख्या दो है। पांच कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास में सी.डब्ल्यू.एस.एन. शौचालय का निर्माण भी कराया गया है। नवाचार व अच्छे कार्यों के लिये अवार्ड, पुरस्कार भी मिले।

गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियां प्रारंभ

इंदौर। इंदौर में आगामी 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस का समारोह पूर्ण उत्साह के साथ गरिमापूर्वक मनाया जाएगा। मुख्य समारोह 26 जनवरी को नेहरू स्टेडियम में आयोजित होगा। समारोह आयोजन की व्यापक तैयारियां प्रारंभ हो गई है। समारोह की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए आज कलेक्टर श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में एआईसीटीएसएल के सभाकक्ष में बैठक आयोजित की गई।

बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा, अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर श्री अमित सिंह, जिला पंचायत के सीईओ श्री सिद्धार्थ जैन, स्मार्ट सिटी के सीईओ श्री दिव्यांक सिंह, अपर कलेक्टर श्री रोशन राय सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने निर्देश दिए कि सभी तैयारियां गणतंत्र दिवस की गरिमा के अनुरूप निर्धारित समय सीमा में की जाए। सभी अधिकारी सौंपे गए दायित्वों का पूर्ण गंभीरता के साथ पूरा करें। आयोजन में किसी भी तरह की कोर कसर नहीं रखी जाए। उन्होंने आयोजन की विभिन्न व्यवस्थाओं के लिये विभागवार दायित्व सौंपे। उन्होंने निर्देश दिये कि सभी विभाग सौंपे गये कार्यों को पूर्ण गंभीरता के साथ करें। समारोह आयोजन की सभी तैयारियां राष्ट्रीय पर्व की गरिमा के अनुरूप हो। बैठक में बताया गया कि मुख्य समारोह में विभिन्न प्लाटूनों द्वारा परेड प्रस्तुत की जायेगी। राज्य शासन की योजनाओं, कार्यक्रमों तथा उपलब्धियों पर आधारित 13 से अधिक नयनाभिराम झाँकियां भी विभिन्न विभागों द्वारा निकाली जायेंगी। जिला पंचायत, नगर निगम, इंदौर विकास प्राधिकरण, उद्योग, जेल, महिला बाल विकास, आदिम जाति कल्याण, सामाजिक न्याय, वन, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्यानिकी आदि विभागों द्वारा नयनाभिराम झाँकियां निकाली जायेंगी। समारोह स्थल पर आकर्षक साज-सज्जा की जायेगी। स्वतंत्रता सेनानियों एवं लोकतंत्र सेनानियों को सम्मानित भी किया जाएगा। साथ ही उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र भी दिए जाएंगे।

अजा/अजजा के विद्यार्थियों के लिए एमपी टास्क पोर्टल में आवेदन की प्रक्रिया हुई शुरु

इंदौर। राज्य शासन द्वारा अनुसूचित जाति और जनजाति के विद्यार्थियों की पोस्ट मेट्रिक छात्रवृत्ति के लिये एमपी टास्क पोर्टल प्रारंभ हो गया है। यह पोर्टल 21 जनवरी तक ओपन रहेगा। आदिम जाति कल्याण विभाग की जिला संयोजक श्रीमती सुप्रिया बिसेन ने बताया कि जिले के समस्त शासकीय/अशासकीय महाविद्यालयों/विश्वविद्यालय में अध्ययनरत अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थी पोस्ट मैट्रिक छात्रवृति एवं आवास सहायता योजनान्तर्गत MPTAASC पोर्टल पर नवीन एवं नवीनीकरण के आवेदन दर्ज कर सकते है।

यह पोर्टल लिंक वर्ष 2022-23, 2023-24 एवं 2024-25 की इंट्री के लिये 31 जनवरी 2025 तक ओपन रहेगा। जिले के समस्त शासकीय/अशासकीय महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों से कहा गया है कि वे इस सुविधा का लाभ लेते हुए MPTAASC पोर्टल पर निर्धारित समय-सीमा में अपने आवेदन दर्ज कर सकते

गणतंत्र दिवस पर इंदौर का मैथिल समाज मनाएगा महाकवि विद्यापति जयंती

इंदौर। शहर के मैथिली भाषी समुदाय की संस्था विद्यापति परिषद् गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर महाकवि विद्यापति की स्मृति में एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन करेगी। यह समारोह 26 जनवरी को आनंद मंगल गार्डन, एमआर-10 चंद्रगुप्त मौर्य चौराहे के पास, दोपहर 2 बजे से प्रारंभ होगा।

इस कार्यक्रम के दौरान मैथिली समाज के उन वरिष्ठ जनों को सम्मानित किया जाएगा, जिन्होंने समाजहित में उत्कृष्ट कार्य किए हैं। उन्हें मिथिला की परंपरागत ÷मिथिला पाग÷ (पारंपरिक पगड़ी) और शॉल देकर सम्मानित किया जाएगा, जो सम्मान और कृतज्ञता का प्रतीक है।

मिथिला संस्कृति और संगीत का होगा संगम- समारोह का मुख्य आकर्षण मिथिला की समृद्ध संस्कृति और लोक परंपराओं का

जीवंत प्रदर्शन होगा। प्रख्यात मैथिली कलाकार, जिनमें प्रसिद्ध गायक माधव राय, रचना झा, और श्री राधे भाई शामिल हैं, अपनी मधुर प्रस्तुतियों से उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेंगे। ये लोकगीत मिथिला की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को संजोए रखने का प्रयास हैं।

विद्यापति परिषद् के मार्गदर्शक लक्ष्मण झा, विजय कुमार झा, और अध्यक्ष सुमन कुमार झा ने बताया कि यह आयोजन एक सांस्कृतिक उत्सव होने के साथ साथ मैथिली समाज के बीच आपसी जुड़ाव और एकता को बढ़ावा देने का मंच प्रदान करेगा ।

उन्होंने कहा, हमारा उद्देश्य इंदौर में बसे मैथिली भाषी समुदाय, विशेषकर युवा पीढ़ी को मिथिला की कला, संस्कृति, खानपान और भाषा से परिचित कराना है। यह आयोजन इस सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और आगे बढ़ाने का प्रयास है।

मेधावी छात्रों का होगा सम्मान समारोह के दौरान मैथिली समाज के मेधावी छात्रों को भी उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया जाएगा। इससे समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता और प्रोत्साहन बढ़ेगा।

महाकवि विद्यापति (1352-1448), जिन्हें ÷मैथिली कवि कोकिल÷ के नाम से भी जाना जाता है, भगवान शिव के परम भक्त और मैथिली-संस्कृत साहित्य के महान कवि थे। उनके भक्ति और प्रेम गीत आज भी मिथिला की पहचान हैं। उनका प्रभाव मैथिली और संस्कृत साहित्य तक सीमित न रहकर, समूचे पूर्वी भारतीय साहित्यिक परंपराओं तक फैल गया।

विद्यापति परिषद् के कार्यकारिणी सदस्य दिलीप झा ने कहा, ÷कला, संस्कृति, और संगीत से ओतप्रोत यह आयोजन समाज की सांस्कृतिक धरोहर को सहेजने और अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का एक सार्थक प्रयास है।

संभागायुक्त ने इंदौर संभाग के स्वास्थ्य संस्थाओं की समीक्षा की

इंदौर। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने आज संभागायुक्त कार्यालय में इंदौर संभाग के स्वास्थ्य संस्थाओं की समीक्षा बैठक ली। बैठक में संभाग के सभी जिलों आलीराजपुर, बुरहानपुर, बड़वानी, धार, झाबुआ, खंडवा, खरगोन और इंदौर के मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से शामिल हुए। बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने संभाग में शासन द्वारा दी जा रही सभी स्वास्थ्य सेवाएं कार्यक्रम, राष्ट्रीय क्षय नियंत्रण कार्यक्रम, तय दिन, निक्षय पोषण योजना, आयुष्मान भारत योजना, गंभीर कुपोषित बच्चों का संस्थागत प्रबंधन, जिला अस्पतालों में भर्ती मरीजों के लिये बेड, जननी सुरक्षा योजना, प्रसूति सहायता, पोषण मातृ स्वास्थ्य कार्यक्रम, शिशु टीकाकरण, परिवार कल्याण कार्यक्रम आदि की बिन्दुवार जानकारी ली और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने संभाग के सभी जिला स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे एक विशेषज्ञ कार्ययोजना बनाकर कार्य करें। अंधत्व निवारण कार्यक्रम के तहत इंदौर संभाग में प्रतीक्षारत सभी मरीजों के मोतियाबिन्द के ऑपरेशन कर उन्हें चश्मे वितरित किए जाएं। यदि आवश्यकता लगे तो नेत्र शिविर आयोजित करें। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के नागरिकों के आंखों की जांच करें और जांच में जो मोतियाबिन्द के ऑपरेशन करने योग्य पाए जाएं, उनका ऑपरेशन करें और उन्हें चश्मे का वितरण करें। अंधत्व निवारण कार्यक्रम में इंदौर के नेत्ररोग अस्पतालों की भी सेवा ली जाए। यह कार्य फरवरी अंत तक पूर्ण कर लिया जाए।

मृत्युंजय महाकाल त्राहिमाम शरणागतः ,
जन्म मृत्यु जरा व्याधि पीड़ितो कर्म बंधनाह
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर प्रभु सभी को आरोग्यता प्रदान करें।

एडवेंचर्स लवर्स को भा रहा उज्जैन में स्काई डाइविंग, फेस्टिवल में इस वर्ष 6 गुना पर्यटक हुए शामिल

प्रदेश को एडवेंचर हब और उज्जैन को स्काई डाइविंग गंतव्य के रूप में स्थापित करना उद्देश्य

उज्जैन। मध्यप्रदेश में एडवेंचर टूरिज्म को बढ़ावा देने के उदेश्य से उज्जैन में स्काई डाइविंग फेस्टिवल की रोमांचक पहल से देश और प्रदेश के एडवेंचर्स लवर्स के लिए पसंदीदा गंतव्य स्थल बन चुका है। चौथे संस्करण की सफलता का अंदाजा इस इससे लगाया जा सकता है, पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष 6 गुना लगभग 500 से अधिक पर्यटकों ने स्काई डाइविंग के रोमांच का अनुभव लिया। स्काई डाइविंग फेस्टिवल में पर्यटकों को 10,000 फीट से स्काई डाइविंग कर, महाकाल की नगरी को देखने के रोमांच का अनुभव मिल रहा है।

इस एडवेंचर एक्टिविटी में अब तक बेंगलुरु, मदुरई, वडोदरा, लखनऊ, अहमदाबाद, कोयंबटूर, उदयपुर, जोधपुर, पुणे, दिल्ली, चंडीगढ़, हैदराबाद, मुंबई, नागपुर, सूरत, कोलकाता, मयसूर, राजकोट, लुधियाना, विशाखापट्टनम, चेन्नई के साथ-साथ प्रदेश के उज्जैन, इंदौर, बालाघाट, भोपाल, मऊ, जबलपुर, और ग्वालियर जैसे क्षेत्रों से प्रतिभागी स्काई डाइविंग का रोमांचक अनुभव ले चुके हैं।

स्काई डाइविंग फेस्टिवल के प्रति पर्यटक तहत पर्यटक अत्यंत उत्साहित हैं। स्काई डाइवर्स का कहना है कि उन्होंने दुबई में स्काई डाइविंग की है, लेकिन उज्जैन में स्काई डाइविंग का अनुभव बेहद खास और रोमांचक है। आयोजन संस्था स्काई हाई इंडिया द्वारा गणतंत्र दिवस के मौके पर विभिन्न आकर्षक ऑफर्स दिए जा रहे हैं। इसकी जानकारी और बुकिंग के लिए पर विजिट किया जा सकता है। स्काई डाइविंग का समय सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक है।

प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति और प्रबंध संचालक म.प्र. टूरिज्म बोर्ड शिव शेखर शुक्ला ने बताया कि अक्टूबर 2024 से मार्च 2025 तक मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड द्वारा प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में एडवेंचर और वॉटर टूरिज्म गतिविधियों को संचालित किया जा रहा है। मध्यप्रदेश को एडवेंचर हब के रूप में स्थापित करने और एडवेंचर टूरिज्म को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लगातार चौथे वर्ष स्काई डाइविंग फेस्टिवल का आयोजन किया गया है, यह फेस्टिवल 09 फरवरी 2025 तक चलेग।

एडवेंचर टूरिज्म को बढ़ावा देने के प्रयास

प्रदेश में एडवेंचर टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए की जाने वाली पहल में छिंदवाड़ा में माचागोरा वोटर फेस्टिवल और तामिया एडवेंचर फेस्टिवल, भोपाल, गांधीसागर, चंदेरी, खजुराहो, परसिली(सीधी), जबलपुर (भेड़ाघाट), राइडर्स इन द वाइल्ड बाइकिंग इवेंट के तीसरे संस्करण एवं पचमढ़ी में जटाशंकर रॉक क्लाइम्बिंग चैलेंज, गांधी सागर फेस्टिवल और चंदेरी फेस्टिवल हर वर्ष आयोजित किए जाते हैं।

11 देवासी क्रिकेट टूर्नामेंट का हुआ शुभारंभ

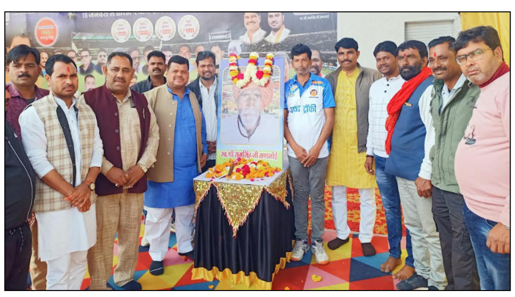

उज्जैन। श्रीरसागर स्टेडियम पर पार्षद ट्रॉफी 2025 का श्री रामसिंह जी मण्डलोई की स्मृति में 11 दिवसी क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। टूर्नामेंट में खेलने के लिए पूरे मध्य प्रदेश से 32 टीम उज्जैन पहुंची है।

12 नंबर वार्ड के पार्षद छोटेलाल मंडलोई एवम दुर्गेश माली ने जानकारी देते हुए बताया कि 11 दिवसी क्रिकेट टूर्नामेंट का श्री रामसिंह जी मण्डलोई की तस्वीर पर मालीअर्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महापौर मुकेश टटवाल, कांग्रेस शहर अध्यक्ष मुकेश भाटी एवम नेता पति पक्ष रवि राय उपस्थित थे। 32 टीमों में से जीतने वाली चार टीमों को नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। जिसमें 77777 रुपए, 33333 रुपए, 22222 रुपए, 11111 रुपए दिए जाएंगे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ने संबोधित करते हुए कहां की यह टूर्नामेंट न केवल खेल को बढ़ावा देने का एक मंच है, बल्कि युवाओं को एकजुट करने और खेल भावना को प्रोत्साहित करने का एक अनोखा अवसर भी प्रदान करता है।

क्रिकेट एक ऐसा खेल है जो अनुशासन, मेहनत और टीम वर्क का प्रतीक है। मैं इस आयोजन समिति को धन्यवाद देता हूं, जिन्होंने इस भव्य टूर्नामेंट का आयोजन किया। प्रतिभागी टीमों को शुभकामनाएं देता हूं और आशा करता हूं कि यह टूर्नामेंट नई प्रतिभाओं को सामने लाने में मदद करेगा। खेल को खेल की भावना से खेलें और अपने प्रदर्शन से सभी को प्रेरित करें। कार्यक्रम के दौरान टूर्नामेंट संस्था द्वारा अतिथियों का महाकाल का दुपट्टा पहन कर स्वागत किया।इस मौके पर संगठन मंत्री अजय राठौर, शिव लश्करी, अभिषेक लाला, पार्षद परमानंद मालवीय, अतुल सक्सेना, रोहित केठवास, राकेश राजावत, भगवान सिंह गॉड, इकबाल खान, अनीस अहमद, जीवन बंजारा, सुरेश, शफी भाई, प्रीतम भाई आदि लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

ईओडब्ल्यू एसपी श्री सोनी को आईपीएस काडर मिला

उज्जैन। आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ उज्जैन ईकाई के एसपी दिलीप सोनी को भारतीय पुलिस सेवा काडर में शामिल किया गया है। इस आशय के आदेश केंद्र ने 6 जनवरी को जारी किए हैं। उन्हें वर्ष 2016 बेच दिया गया है।

भविष्य में उन्हें वरिष्ठता के क्रम से 2015 बेच दिया जाना तय है। श्री सोनी वर्ष 1997 से प्रदेश में पुलिस सेवा में शामिल हुए थे। श्री सोनी ने वर्ष 1997 में राज्य पुलिस सेवा में छतरपुर जैसे आपराधिक जिले से अपने सेवा काल की शुरूआत की ।

कपिल गौशाला में 2000 गायों को खिलाई 60 क्विंटल लापसी

उज्जैन। उज्जैन नगर निगम द्वारा संचालित रत्नाखेड़ी में 60 क्विंटल लापसी गायों को खिलाई गई।

इस अवसर पर नगर निगम सभापति कलावती यादव, महापौर मुकेश टटवाल, एम आई सी सदस्य प्रकाश शर्मा, दुर्गा शक्ति सिंह, वरिष्ठ पत्रकार राहुल कटारिया, गोविन्द सोलंकी भी उपस्थित थे। लापसी वितरण के लाभार्थी शैलेंद्र तल्लेरा एवं संजय भंडारी थे। नगर निगम द्वारा संचालित कपिल गौशाला में बापू महाराज एवं मिथुन स्वामी जी इस अवसर पर उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि कपिल गौशाला में 2000 गाय थी। इस अवसर पर प्रकाश तल्लेरा, राजेश भंडारी, विमल भंडारी, ललित भंडारी, यश भंडारी, अक्षय तालेरा, आशु तालेरा, विपीन शर्मा, रवि जाट आदि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री जी से तहसील घट्टीया का नाम परिवर्तन करने की मांग

उज्जैन। पवन पुत्र हनुमान जी लवाखेड़ा सरकार के नाम से प्रसिद्ध तहसील घट्टीया का नाम परिवर्तन कर अन्य नाम रखने की मांग मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से कई दिनों से की जा रही है। इसी तारतम्य में महाकाल ग्रुप घट्टीया के अध्यक्ष दिनेश राठौर ओर हनुमान लवाखेड़ा सरकार मंदिर के पुजारी संजय शर्मा द्वारा सीएम डॉ मोहन यादव से मांग की जा रही है कि तहसील घट्टीया का नाम परिवर्तित किया जाए। जिससे बाबा महाकाल की पावन तहसील को देश में एक अलग पहचान मिल सके और अलग नाम से गांववासी भी तहसील का नाम लेने में गर्व महसूस करे। महाकाल ग्रुप ओर मंदिर के पुजारी सहित ग्रामीणों द्वारा कई बार अवगत कराया गया था जिस पर पुनः अवगत करवाए जाने हेतु मुख्यमंत्री डॉ यादव को ज्ञापन प्रेषित किया जाएगा।

आंबेडकर, चिंतन शोध की अविराम यात्रा : प्रो. शैलेन्द्र शर्मा

उज्जैन। डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर का सार्वजनिक जीवन में प्रवेश समाज क्रांति के मार्ग को मोड़ देने वाला ऊर्जा स्त्रोत है। भारत के इतिहास में डॉ. आम्बेडकर का असामान्य स्थान है। इस दृष्टि से सामाजिक जीवन में उनका योगदान बीसवीं सदी पर मूलगामी प्रभाव डाला है। डॉ. आम्बेडकर विषय नहीं जीवनशैली है। उनका जीवन-विमर्श-शोध का विषय जिसे सम्पूर्णता में चिंतन की आवश्यकता है।

बाबा सहोब का चिंतन सामाजिक समता और बंधुत्व है। जिसे उन्होंने गहरे गंभीर शोध से ही स्थापत किया। जो देखने सुनने और गुनने से प्रारंभ हुआ। मतभेद-विभेद का गहरा संकट, व्याप्त विकृतियों से, असमानता के दंश देखा, सुना, अनुभूत किया। इसे बदलने, समाप्त करने की उनकी अविराम यात्रा प्रारंभ की। विषम परिस्थितियों में भी बाबा साहेब ने पढ़ने-चिन्तन शोध को न सिर्फ लेखों, पत्र पत्रिकाओं, किताबों के माध्यम से

समाज को जागरूकता की प्रक्रिया प्रारंभ किया बल्कि समाज परिवर्तन और समानता की लोकतांत्रिक व्यवस्था का रेखांकन भी बना लिया। जिसे हमें संविधान के रूप में मौलिक अधिकार के रूप में प्राप्त हुआ।

उक्त विचार डॉ. आम्बेडकर पीठ द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्टीय संगोष्ठी डॉ. आम्बेडकर का चिंतन ~ शोध की संभावनाएँ विषय के समापन समारोह में प्रभारी कुलगुरु प्रो. शैलेन्द्र शर्मा ने व्यक्त किए।

प्रो. शैलेन्द्र शर्मा ने कहा आम्बेडकर चिन्तन सर्वं खल्विदं ब्रह्म है। दुनिया में सभी के लिए समान अवसर, समानता हो। सभी मानव समान है। बाबा साहेब दादू दयाल, गोरक्षनाथ, कबीर परम्परा के सामाजिक संत हैं। जिन्होंने बाहरी आडम्बरों, समाज की विकृतियों को समाप्त कर मानवता, समानता और बंधुत्व को स्थापित करने के सम्पूर्ण जीवन आहूत किया। डॉ. आम्बेडकर का पूर्ण जीवन दर्शन, मानवीय आस्था, निजीविषा के साथ अविराम यात्रा है। सच तो है कि डॉ. आम्बेडकर का व्यक्तित्व, कृत्तित्व में शोध की अपार संभावनाएँ हैं। आवश्यकता इस बात की है कि शोधार्थी, विद्यार्थी को सतही तौर पर नहीं बल्कि बहुत गहरे चितन करना होगा। सदियों से शोध संभावनाएँ हैं। शोध के लिए आंतरिक जागृति की आवश्यकता है। डॉ. आम्बेडकर पर शोध करने का तात्पर्य गहन मंथन, गहन अनुसंधान, गहरा उत्तरदायित्व/शोध औपचारिक नहीं बल्कि स्वयं और समाज परिवर्तन की सद्इच्छा हो, इस उद्देश्य से किए जाने की आवश्यकता है। डॉ. आम्बेडकर द्वारा प्रस्थापित सिद्धान्त, सम्यक प्रणाली की व्याप्ति और प्राप्ति की दृष्टि बनाना है। बाबा साहेब ने जिन सौंदर्यशास्त्रीय संभावनाओं को गढ़ा है, उसे आत्मसात और उस परम्परा को बनाए रखने की शोध सम्भावनाओं को विद्यार्थियों और शोधार्थियों को खोजने की आवश्यकता है।

पश्चिम बंगाल के प्रसिद्ध कलाकार ने उज्जैन में दी छाऊ नृत्य की प्रस्तुति

उज्जैन। संस्था स्पीक मैके एवं एसआरएफ फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में भारतीय स्कूल में पुरुलिया पश्चिम बंगाल के प्रसिद्ध छाऊ नृत्य का आयोजन किया गया। जिसमें कलाकार तारा पद रजक और उनकी टीम ने अपनी अनूठी प्रस्तुति से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। ढोल, धुमसा और खड़का वाद्य यंत्रों की गूंज और रंग-बिरंगे मुखौटों से सजे कलाकारों ने महिषासुर मर्दिनी की कथा को जीवित किया। कार्यक्रम की शुरुआत में कलाकारों ने शेर, भालू, मयूर जैसे विभिन्न पात्रों को दर्शाने वाले मुखौटों के साथ प्रभावशाली मुद्राएं प्रस्तुत की। जिन्हें देखकर विद्यार्थियों का उत्साह देखते ही बनता था। महिषासुर और देवी दुर्गा के बीच के संघर्ष को जब नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत किया गया तो पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com